दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 289

ग्वालियर, शुक्रवार 08 जुलाई 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य आधार शिक्षा को संकुचित सोच के दायरे से बाहर निकालना: पीएम मोदी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वाराणसी दौरे के दौरान अक्षय पात्र मिड डे मील किचन का उद्घाटन किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने अखिल भारतीय शिक्षा समागम का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अखिल भारतीय शिक्षा समागम का ये आयोजन उस पवित्र धरती पर हो रहा है। जहां आजादी से पहले देश की इतनी महत्वपूर्ण यूनिवर्सिटी की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि ये समागम आज उस समय हो रहा है, जब देश अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। अमृत काल में देश के अमृत संकल्पों को पूरा करने की बड़ी जिम्मेदारी हमारी शिक्षा व्यवस्था और युवा पीढ़ी पर है।

मोदी ने कहा कि काशी को भी मोक्ष की नगरी इसकारण कहते हैं, क्योंकि हमारे यहां मुक्ति का एकमात्र मार्ग ज्ञान को ही माना गया है। इसलिए शिक्षा और शोध का, विद्या और बोध का मंथन, जब सर्व विद्या के प्रमुख केंद्र काशी में होगा, तब इससे निकलने वाला अमृत अवश्य देश को नई दिशा देगा। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य आधार शिक्षा को संकुचित सोच के दायरे से बाहर निकालना और उस 21वीं सदी के विचारों से जोड़ना है। हमारे देश में मेधा की कभी कमी नहीं रही। लेकिन दुर्भाग्य से हमें ऐसी व्यवस्था बनाकर दी गई थी, जिसमें पढ़ाई का मतलब नौकरी ही माना गया। प्रधानमंत्री मे कहा कि आजादी के बाद शिक्षा नीति में थोड़ा बहुत बदलाव हुआ,

लेकिन बहुत बड़ा बदलाव रह गया था। अंग्रेजों की बनाई व्यवस्था कभी भी भारत के मूल स्वभाव का हिस्सा नहीं थी और न हो सकती।

पीएम मोदी ने कहा कि नए भारत के निर्माण के लिए नई व्यवस्थाओं का निर्माण, आधुनिक व्यवस्थाओं का समावेश उतना ही जरूरी है। जो पहले कभी भी नहीं हुआ, जिनकी देश पहले कभी कल्पना भी नहीं करता था, वहां आज के भारत में हकीकत बन रहे हैं। आज हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम हैं। स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में जहाँ पहले केवल सरकार ही सब करती थी वहां अब प्राइवेट प्लेयर्स के जरिए युवाओं के लिए नई दुनिया बन रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप सभी को वर्तमान को संभालना है, आपके पहले जो करके गए हैं, उस आगे बढ़ाना है। लेकिन आज जो काम कर रहे हैं,उन्हें भविष्य के लिए ही सोचना होगा, व्यवस्थाएं भी भविष्य के लिए ही विकसित करनी होंगी। 29 जुलाई को राष्ट्रीय शिक्षा नीति को 2 साल पूरे होने वाले हैं। बड़े मंथन के बाद ये शिक्षा नीति बनाई गई है। हमने हर पल इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति को जिंदा रखा है। मैं स्वयं इतने कम समय में कम से कम 25 सेमिनार में गया हूं और इसी विषय पर बोलता रहा हूं। कस्तूरीरंजन जी भी इस रिपोर्ट को देने के बाद लगातार लोगों से इस विषय पर संवाद कर रहे हैं।राष्ट्रीय शिक्षा नीति का इतनी विविधताओं से भरे देश में स्वागत हो, ये अपने आप में बहुत बड़ी सिद्धि है। मोदी ने कहा कि इन 2 वर्षों में देश राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की दिशा में कई ठोस कदम उठा चुका है।

50 से अधिक मंत्रियों की बगावत के बाद हारे जानसन, दिया पीएम पद से इस्तीफा

लंदन। ब्रिटेन में राजनीतिक हलचल के बीच प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने इस्तीफा दे दिया है। कई स्थानीय मीडिया आउटलेट्स ने इसकी जानकारी दी है। बता दें कि प्रधानमंत्री जानसन चार शीर्ष मंत्रियों के इस्तीफे और अपने ही सांसदों द्वारा विद्रोह के बावजूद ब्रिटेन की सत्ता न छोड़ने पर अड़े हुए थे। वहीं 50 से अधिक मंत्रियों ने 48 घंटों से भी कम समय में सरकार छोड़ दी थी। सभी ने यह कहते हुए जानसन का साथ छोड़ा है कि वे कई घोटालों के बाद पीएम बनने के लायक नहीं हैं। बात दें कि अक्टूबर में नया पीएम चुना जाएगा। जानसन को 50 से अधिक मंत्रियों के सरकार छोड़ने के लिए कहने के बाद जानसन ने हार मान ली। अभी यह स्पष्ट भी नहीं था कि क्या वह पद पर बने रहने वाले हैं, या नहीं, इस बीच कंजर्वेटिव पार्टी ने एक नया नेता चुन भी लिया जो उनकी जगह लेगा। ब्रिटेन की लेबर पार्टी के नेता कीर स्टारर ने जानसन के इस्तीफे के बाद बयान जारी किया है। कीर ने कहा कि यह देश के लिए अच्छी खबर है कि बोरिस जानसन ने प्रधानमंत्री के रूप में इस्तीफा दे दिया है। बता दें कि दो दिनों से जानसन पर उनकी पार्टी के नेता और मंत्री ही उनपर इस्तीफा देने के लिए दबाव बना रहे थे। बता दें कि जानसन के खिलाफ बगावत की शुरुआत तब हुई जब क्रिस पिंचर की नियुक्ति की गई। इसी साल फरवरी में क्रिस पिंचर को कंजर्वेटिव पार्टी के डिप्टी चीफ व्हिप के तौर पर नियुक्त किया गया था।

दवाओं के ओवरडोज से बिगड़ी लालू की तबीयत, सिंगापुर ले जाने की तैयारी

नई दिल्ली। राजद प्रमुख लालू यादव की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें पटना से दिल्ली ले जाया गया है। यहां उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया है। आरजेडी सुप्रीमो की तबीयत बिगड़ने के पीछे बड़ा कारण जो तेजस्वी यादव ने बताया है वहां दवाओं का ओवर डोज है। पटना से दिल्ली पहुंचे तेजस्वी यादव ने बताया कि उनके पिता लालू की तबीयत बिगड़ने के पीछे की मुख्य वजह दवाओं का ओवरडोज है। दिल्ली पहुंचने के बाद राबड़ी देवी और छोटे बेटे तेजस्वी ने उनके स्वास्थ्य के बारे में पूरी जानकारी दी। तेजस्वी ने बताया कि उनके शरीर में तीन जगह फ्रैक्चर हुआ है। उन्होंने कहा फ्रैक्चर के बाद उनका शरीर एक तरह से लॉक हो चुका है। वहीं राबड़ी देवी ने कहा कि लालू को चाहने वाले लोग परेशान न हों, उनकी तबीयत पहले से अच्छी है, सभी लोग दुआ कीजिए। लालू की हालत को लेकर तेजस्वी ने कहा, उनकी स्थिति और बेहतर हो जाए उसके बाद डॉक्टर से उन्हें सिंगापुर ले जाने के बारे में बात की जाएगी। जहां उनके किडनी ट्रांसप्लांट की बात चल रही है। उनका क्रेटनिन 4 के लगभग था, जो बढ़कर 6 ले ऊपर हो गया था। सीने में भी दिक्कत हो गई थी। दो-तीन दिनों से उन्हें फीवर भी उन्हें रहा। दवाओं का डोज ज्यादा होने से बेचैनी हुई थी। इसकारण एकाएक उन्हें इमरजेंसी में ले जाया गया था। अब स्थिति ठीक है। इन सारी बातों को देखते हुए दो-चार सप्ताह में स्थिति और बेहतर हो जाए और इंटरनेशनल ट्रैवल के लायक वे हो जाएं, तब हम सिंगापुर भी ले जाएंगे। तेजस्वी ने बताया कि बहुत सारी दवाएं चल रही हैं। अब जो भी कॉम्पलिकेशन हैं उसे दूर करने में दवाओं का कोई असर हर्ट या किडनी पर नहीं पड़े इसलिए उन्हें एम्स लाया गया है। एम्स में उनका पूरा चेकअप होगा।

भगवंत मान को मिलीं बधाइयां पर ये कौन डॉक्टर गुरप्रीत कौर दे रहीं धन्यवाद

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान डॉक्टर गुरप्रीत कौर से चंडीगढ़ स्थित आवास पर शादी करने जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी नेता की शादी की खबर सामने आते ही बड़े नेताओं और हस्तियों की तरफ से बधाइयों का दौर भी शुरू हो गया था, लेकिन ट्विटर पर कुछ ऐसा भी हुआ जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। खबर है कि डॉ कौर के नाम से ही एक ट्विटर हैंडल ने सभी का धन्यवाद करना शुरू कर दिया था। डॉक्टर गुरप्रीत कौर के नाम से एक ट्विटर हैंडल से सीएम मान को बधाई दे रहे लोगों का धन्यवाद किया जा रहा था। प्रोफाइल के अनुसार, यूजर मोहाली से है। उदाहरण के लिए जब पंजाब कांग्रेस के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने ट्वीट किया, तो हैंडल से जवाब आया %थैंक्यू वीर जी%। वडिंग ने आप नेता को ट्वीट के जरिए जीवन का नया अध्याय शुरू करने की बधाई दी थी। मान (48) का उनकी पत्नी के साथ 2015 में तलाक हो गया था। मुख्यमंत्री के दो बच्चे हैं। आम आदमी पार्टी (आप) की पंजाब इकाई के मुख्य प्रवक्ता मलविंदर सिंह कंग ने बताया, %%मुख्यमंत्री कल एक निजी समारोह में विवाह बंधन में बंधने जा रहे हैं। हरियाणा के कुरूक्षेत्र जिले की रहने वाली डॉ गुरप्रीत कौर के साथ उनका विवाह होगा।

संघ परिवार धार्मिक कट्टरता से भारत को नष्ट करना चाहता, हिंदुत्व कभी भारत नहीं बन सकता: लीना मणिमेकलाई

नई दिल्ली। अपनी फिल्म काली के विवादित पोस्टर पर सोशल मीडिया से सड़क तक प्रदर्शन झेल रही फिल्ममेकर लीना मणिमेकलाई ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि %संघ परिवार धार्मिक कट्टरता से भारत को नष्ट करना चाहता है। हिंदुत्व कभी भारत नहीं बन सकता%। इससे पहले दिन में, मणिमेकलाई ने भगवान शिव और एक हिंदू देवी की वेशभूषा में धूम्रपान करते हुए दो लोगों की एक तस्वीर ट्वीट की थी। यह तस्वीर काली के पोस्टर पर विवादित तस्वीर से काफी मिलती-जुलती है। जैसे ही पोस्ट ने उनके खिलाफ आक्रोश को और बढ़ाया, उन्होंने फिर से ट्विटर का सहारा लेकर स्पष्ट किया कि यह तस्वीर उनकी डॉक्यूमेंट्री फिल्म का एक दृश्य नहीं है, बल्कि ग्रामीण भारत में वास्तविक जीवन का एक स्नैपशॉट था।

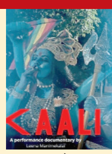

उन्होंने ट्वीट किया, बीजेपी पेरोल ट्रोल सेना को पता नहीं है कि लोक थिएटर कलाकार अपने प्रदर्शन के बाद कैसे चिल (आराम) करते हैं। यह मेरी फिल्म से नहीं है। यह रोजमर्रा के ग्रामीण भारत से है जिसे ये संघ परिवार अपनी अथक नफरत और धार्मिक कट्टरता से नष्ट करना चाहते हैं। हिंदुत्व कभी भारत नहीं बन सकता।% गौरतलब है कि अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म काली के पोस्टर के रिलीज के बाद लीना मणिमेकलाई के खिलाफ सोशल मीडिया में आक्रोश की बाढ़ आई है। अयोध्या के एक महंत ने लीना को सिर कलम तक करने की धमकी दे डाली है। इसके अलावा मणिमेकलाई के खिलाफ देशभर के कई पुलिस स्टेशनों में शिकायत दर्ज की गई है। बता दें कि मणिमेकलाई ने अपनी फिल्म के पोस्टर में मां काली को सिगरेट पीते हुए दिखाया और एक हाथ में एलजीपीटीक्यू का झंडा लहराते हुए दिखाया था। हालांकि मणिमेकलाई ने कहा कि यह दृश्य कनाडा के टोरंटो की सड़कों पर टहल रही एक महिला के बारे में था। काफी विरोध झेलने के बाद कनाडा के आगा खान संग्रहालय ने डॉक्यूमेंट्री की प्रस्तुति को हटा दिया है। इस बीच तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा भी मणिमेकलाई के मां काली पोस्टर विवाद में फंस गई हैं। उन्होंने मां काली को शराब पीने और मांस खाने वाली देवी करार दिया था। उनके बयान के बाद भी काफी विवाद हुआ। देशभर में उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं। टीएमसी ने भी उनके बयान से पल्ला झाड़ दिया है।

खास खबर

पत्रकार मोहम्मद जुबैर की गिरफ्तारी पर जर्मनी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में गिरफ्तार मोहम्मद जुबैर का मामला अब अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया है। जर्मनी ने पत्रकार जुबैर की गिरफ्तारी पर सवाल उठाए हैं। जर्मनी के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत खुद को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बताता है, इसकारण उससे उम्मीद की जाती है कि वह अभिव्यक्ति की आजादी और प्रेस की स्वतंत्रता जैसे लोकतांत्रिक मूल्यों को अपने यहां तरजीह दें। जर्मनी के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता क्रिश्चियन वैगनर ने कहा, हम अक्सर दुनिया भर में अभिव्यक्ति की आजादी पर जोर देकर प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर प्रतिबद्ध हैं। यह बहुत जरूरी है और यह भारत पर भी लागू होता है। किसी भी समाज के लिए यह जरूरी है कि वहां बिना किसी रोक-टोक और दबाव के पत्रकारिता हो लेकिन ऐसा नहीं हो पाना, चिंता का कारण है। उन्होंने कहा, पत्रकारों का उनकी पत्रकारिता के लिए उत्पीड़न नहीं होना चाहिए और ना ही इसके लिए उन्हें जेल में डाला जाना चाहिए। हम पत्रकार जुबैर के मामले से वाकिफ हैं, नई दिल्ली में हमारा दूतावास इस मामले पर करीब से नजर रखे हुए है। जर्मनी के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम इस मामले पर यूरोपीय यूनियन (ईयू) के हमारे साझेदारों के भी संपर्क में हैं। ईयू ने मामले पर भारत से बात की है।

अगर राष्ट्रपति चुना गया तो संविधान के प्रति उत्तरदायी रहूंगा: यशवंत सिन्हा

लखनऊ। राष्ट्रपति चुनाव के विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने कहा कि अगर वह राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो सिर्फ और सिर्फ संविधान के प्रति उत्तरदायी रहेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए मुझे राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है। समाजवादी पार्टी के मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में यशवंत सिन्हा ने कहा कि इस बार का राष्ट्रपति चुनाव असाधारण किस्म का है। वह इसलिए क्योंकि देश में जो हालात हैं उससे समाज कई हिस्सों में बंट गया है। बड़ी घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप हो जाते हैं। देश में अशांत और असाधारण स्थिति है। संविधान के मूल्य खत्म किए जा रहे हैं। अगर ऐसे ही चलता रहा तो एक दिन संविधान अर्थहीन हो जाएगा। उन्होंने कहा कि लखनऊ से मेरा गहरा नाता रहा है। मुलायम सिंह यादव के दीर्घायु होने की कामना करता हूं। चैधरी अजित सिंह से भी मेरे अच्छे संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने लखनऊ को अपनी कर्मभूमि बनाया लेकिन अफसोस है कि आज उनकी पार्टी कहां से कहां पहुंच गई है।

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस में घमासान प्रदेश अध्यक्ष गुलाम अहमद मीर ने दिया इस्तीफा

जम्मू। एक तरफ जहां जम्मू कश्मीर में भाजपा सहित अन्य क्षेत्रीय पार्टियां सक्रिय नजर आ रही हैं तो वहीं कांग्रेस की गुटबाजी की खबरें लगातार बाहर आ रही थीं। इसी कड़ी में अब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गुलाम अहमद मीर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मीर सात साल से जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के अध्यक्ष थे। साल 2015 में उन्हें प्रदेश कांग्रेस का प्रमुख नियुक्त किया गया था। मीर ने अपने इस्तीफे का कारण भी बताया है। दरअसल, गुलाम अहमद मीर ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेजे अपने इस्तीफे में कहा है कि अनुशासित सिपाही के तौर पर उन्हें उनके उत्तराधिकारी के लिए पार्टी अध्यक्ष की ओर से लिया गया। कोई भी फैसला स्वीकार्य होगा। हालांकि कांग्रेस के सूत्रों ने बताया है कि अहमद मीर को पार्टी की तरफ से ही पद छोड़ने के लिए कहा गया था।

नकवी के इस्तीफे के बाद 8 साल में पहली बार मुस्लिम चेहरा विहीन होगी मोदी कैबिनेट

नई दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में भारतीय जनता पार्टी नेता और कैबिनेट मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया, क्योंकि उनकी राज्यसभा की सदस्यता गुरुवार को खत्म हो रही है। मोदी सरकार में मुख्तार अब्बास नकवी एकलौते मुस्लिम मंत्री थे, जिनके इस्तीफे के बाद अल्पसंख्यक मंत्रालय का प्रभार केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को सौंप दिया है। नकवी के रिजाइन के साथ ही आठ साल में पहली बार मोदी कैबिनेट मुस्लिम मुक्त हो गई है। बीजेपी के सियासी इतिहास में पहली बार होगा जब कोई मुस्लिम मंत्री नहीं होगा। जबकि इससे पहले अटल बिहारी बाजपेयी से लेकर मोदी सरकार तक में मुस्लिम मंत्री रहे हैं। यह पहली बार है जब न कोई कैबिनेट में मुस्लिम होगा और न ही बीजेपी से कोई मुस्लिम सांसद। लोकसभा और राज्यसभा को मिलाकर बीजेपी के कुल 395 सांसद हैं, जिसमें एक भी मुस्लिम नहीं है। साल 2014 में नरेंद्र मोदी के अगुवाई में बीजेपी की सरकार बनी तो मुस्लिम चेहरे के तौर पर नजमा हेपतुल्ला को केंद्रीय मंत्री बनाकर कैबिनेट में शामिल किया गया था। नवंबर, 2014 में मोदी कैबिनेट का पहला विस्तार हुआ तो मुख्तार अब्बास नकवी अल्पसंख्यक मामलों और

संसदीय मामलों के राज्य मंत्री बने। 12 जुलाई 2016 को नजमा हेपतुल्ला के इस्तीफे के बाद उन्हें अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार मिला। नजमा हेपतुल्ला राज्यपाल हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की सत्ता में वापसी के बाद 30 मई 2019 को मुख्तार अब्बास नकवी मोदी कैबिनेट में फिर शामिल हुए। इस बार भी उन्हें अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय सौंपा गया। 2016 को नजमा हेपतुल्ला के इस्तीफे के बाद मुख्तार अब्बास नकवी का प्रमोशन हुआ, लेकिन इसी के साथ मोदी कैबिनेट में मुस्लिम चेहरे के तौर पर एमजे अकबर की एंट्री हुई। पत्रकारिता से सियासत में आए एमजे अकबर मोदी सरकार में विदेश राज्य मंत्री बने। इस तरह मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में दो मुस्लिम नेताओं को कैबिनेट में जगह मिली थी। लेकिन, साल 2018 में एमजे अकबर का नाम मीटू में आने के बाद बीजेपी पर दबाव बढ़ा तो मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। एमजे अकबर का राज्यसभा कार्यकाल पिछले महीने ही खत्म हुआ है। बता दें कि जनसंघ के दौर से लेकर जनता पार्टी और बीजेपी से मुस्लिम सांसद और मंत्री बनते रहे हैं। सिकंदर बख्त जनसंघ के दौर से बीजेपी के साथ जुड़े हुए थे और लोकसभा से लेकर राज्यसभा तक में रहे। आपातकाल के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार से लेकर नब्बे के दशक में बाजपेयी सरकार तक में फिरोज बख्त केंद्रीय मंत्री रहे।

आदिवासी समुदाय की सदस्य द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति के पद पर नामांकित करना गर्व की बात : शिंदे

ठाणे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह गर्व की बात हैं, कि आदिवासी समुदाय की सदस्य द्रौपदी मुर्मू को देश के राष्ट्रपति पद के लिए नामांकित किया गया है। सीएम शिंदे ठाणे जिलाधीश कार्यालय में बैठकें करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कुछ मीडियाकर्मियों ने उनसे शिवसेना के लोकसभा सांसद राहुल शेवाले के बयान के बारे में पूछा था, जिसमें शेवाले ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से पार्टी सांसदों को राजग प्रत्याशी मुर्मू के आदिवासी समुदाय से ताल्लुक होने तथा समाज में उनके योगदान पर विचार करते हुए उनका समर्थन करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुर्मू को देश की

राष्ट्रपति बनने का अवसर दिया है। यह गर्व और सम्मान की बात है। मुझे भी गर्व है कि आदिवासी समुदाय की एक सदस्य को इस पद के लिए नामांकित किया गया है।'' राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान 18 जुलाई को होगा तथा मतगणना 21 जुलाई को होगी। वर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के साथ अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बारे में पूछने पर शिंदे ने कहा कि उन्होंने हाल फिलहाल में पवार से मुलाकात नहीं की और यह तस्वीर हालिया वक्त की नहीं है। शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद वह पवार से नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा पवार राज्य और देश के बड़े नेता हैं, उनसे मुलाकात करने में गलत क्या है ? उन्होंने कहा, ''मैं पहले उनसे कई बार मिला हूं। मुख्यमंत्री के तौर पर मैं उनसे कभी भी मुलाकात कर सकता हूं। शिंदे ने यह भी कहा कि ऐसी अफवाहें फैलायी गई कि उन्होंने राकांपा नेता से मुलाकात की। शिंदे ने बुधवार को ट्वीट किया, ''राकांपा प्रमुख शरद पवार के साथ मेरी तस्वीर प्रसारित की जा रही है। ऐसी कोई मुलाकात नहीं हुई।

जम्मू कश्मीर प्रशासन ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आतंकवाद पर निर्णायक रूप से नियंत्रण कायम किया : शाह

श्रीनगर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर प्रशासन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद पर निर्णायक रूप से नियंत्रण कायम किया है। गृहमंत्री शाह ने कहा, आज उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में, जम्मू कश्मीर शांति और विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद पर निर्णायक रूप से नियंत्रण कायम किया है। सोनावर में दार्शनिक और समाज सुधारक रामानुजाचार्य की 'शांति प्रतिमा' (स्टेच्यू ऑफ पीस) का अनावरण करने का बाद केंद्रीय गृहमंत्री ने यह बात कही। शाह ने कहा कि सिन्हा के नेतृत्व में प्रशासन ने कश्मीर के लोगों को बिना किसी भेदभाव के विकास उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा, लंबे समय तक, देश के लोगों को उम्मीद थी कि अनुच्छेद 370 के प्रावधान और अनुच्छेद 35ए हटाने के बाद जम्मू कश्मीर का राष्ट्र के साथ एकीकरण हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उम्मीद को पूरा किया। पांच अगस्त 2019 को कश्मीर में एक नए युग की शुरुआत हुई। शाह ने कहा कि उन्हें यह सोचकर शांति मिलती है कि श्रीनगर में

सूर्य मंदिर का जीर्णोद्धार हो सका। उन्होंने कहा, श्रीनगर में शांति प्रतिमा का अनावरण होना भारत के लोगों के लिए अच्छा संकेत है, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि शांति प्रतिमा कश्मीर के हर धर्म के लोगों के लिए रामानुजाचार्य की शिक्षा और उनका आशीर्वाद लाएगी और उन्हें शांति तथा विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाएगी। शाह ने कहा कि रामानुजाचार्य ने ज्यादातर काम दक्षिण भारत में किया लेकिन एक महत्वपूर्ण पांडुलिपि 'बोदायन वृत्ति' को लाने के लिए वह कश्मीर गए क्योंकि उसकी एक ही प्रति उपलब्ध थी जो घाटी के शाही पुस्तकालय में रखी थी।

न्यूज़ ट्रैक....

प्रशासकों की समिति और सीओए की बैठक का नहीं निकला परिणाम

नई दिल्ली । विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) और एशियाई फुटबॉल परिषद (एएफसी) के अल्टीमेटम के बाद राज्य फुटबॉल संघ के प्रतिनिधियों और प्रशासकों की समिति (सीओए) के बीच संविधान प्रारुप तैयार करने को लेकर हुई अहम बैठक विफल रही है। इससे पहले विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) और एशियाई फुटबॉल परिषद (एएफसी) की एक टीम ने पिछले महीने भारतीय फुटबॉल संघ से कहा था कि नया संविधान 31 जुलाई तक मंजूर करायें व 15 सितंबर तक चुनाव कराये जाएं। साथ ही कहा था कि अगर ऐसा नहीं होगा तो भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) पर पाबंदी लगायी जाएगी। वहीं फीफा का प्रतिबंध अगर लगता है तो भारत के साथ से अक्टूबर में होने वाले अंडर 17 महिला विश्व कप की मेजबानी निकल जाएगी। प्रदेश संघों के अधिकारियों ने कहा कि सीओए के साथ बैठक का कोई परिणाम नहीं निकला है। प्रदेश संघों की ओर से बैठक में सात सदस्यीय समिति ने भाग लिया था। वहीं दूसरी ओर सीओए ने कहा कि वह सभी के सुझावों को ध्यान में रखकर संविधान का मसौदा तैयार करेगी।

धोनी ने इंग्लैंड में मनाया 41 जन्मदिन

लंदन ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी गुरुवार 07जुलाई को 41 साल के हो गए। इस अवसर पर उन्हें प्रशंसकों के साथ ही खेल जगत के दिग्गजों ने भी बधाई दी। जन्मदिन समारोह में भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी नजर आये। धोनी इस समय इंग्लैंड में परिवार के साथ छुट्टियां मना रहे हैं। 4 जुलाई को ही उनकी शादी की 12वीं सालगिरह थी। धोनी ने परिवार और दोस्तों के संग खास अंदाज में जन्मदिन मनाया। इस समारोह का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर उनकी पत्नी साक्षी धोनी ने साझा किया है। इसमें धोनी नए अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में ऋषभ भी दिखे क्योंकि वह टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं हैं। धोनी क्रिकेट के इतिहास में अकेले कप्तान हैं जिन्होंने तीन आईसीसी खिताब जीते हैं। धोनी भले ही 41 साल के हो गए हैं. लेकिन मैदान पर उनकी बल्लेबाजी की टाइमिंग और विकेट के पीछे तेजी में अब भी कोई कमी नहीं आई है। इसी कारण वह अभी भी आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान हैं।

भारत-इंग्लैंड के बीच पहला टी-20 मुकाबला हुआ

साउथम्प्टन । रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम गुरुवार से यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में जीत से शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर एजबेस्टन टेस्ट की हार से उबरना भी रहेगा। रोहित कोरोना संक्रमण के कारण टेस्ट मैच में नहीं खेले थे , उनकी जगह जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट टीम की कप्तानी की थी। ऐसे में अब उनका लक्ष्य जीत से वापसी रहेगा। सीरीज का पहला मुकाबला यहां रोस बाउल स्टेडियम में होगा। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज एजबेस्टन टेस्ट में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। ऐसे में अब अगर भारतीय टीम को टी20 सीरीज जीतनी है तो उसके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज बुमराह और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को पहले टी20 मैच के लिए आराम दिया गया है। अब ईशान किशन या ऋतुराज गायकवाड़ में से किसी एक को रोहित के साथ पारी की शुरुआत का अवसर मिलेगा। बल्लेबाज संजू सैमसन भी टी20 टीम में शामिल हैं। दिनेश कार्तिक इस मैच में विकेटकीपिंग करेंगे क्योंकि ऋषभ पंत को भी इस मैच के लिए आराम दिया गया है। युवा उमरान मलिक, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, हर्षल पटेल को इस मैच में जगह मिल सकती है। वहीं दूयरी ओर टेस्ट मैच में जीत से इंग्लैंड के हौंसले बुलंद हैं और वह इस सीलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। टीम को बल्लेबाजों और गेंदबाजों के लय में होने का भी लाभ मिलेगा।

पहले टी20 के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुडा, राहुल त्रिपाठी, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई , भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान, अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक ।

शास्त्री ने खिलाड़ियों के रवैये पर उठाये सवाल

एजबेस्टन । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं। शास्त्री ने कहा कि खिलाड़ियों का रवैया भी सकारात्मक नहीं था। इस सीरीज के पिछले चार मैचों में टीम के कोच रहे शास्त्री अब कमेंटेटर की भूमिका में हैं। उनके कोच रहते टीम ने बढ़त हासिल की थी। शास्त्री ने कहा कि खिलाड़ियों का रवैया बेहद रक्षात्मक रहा और रन बनाने के प्रयास उन्होंने नहीं किये। पांचवें टेस्ट में भारतीय टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा कोरोना संक्रमण से नहीं खेल पाये ऐसे में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि कमेंटेटर के काम में अधिक दबाव नहीं रहता है। अब भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ हैं।शास्त्री ने कहा कि कमेंटर के रुप में उनके उपर दबाव नहीं है। साथ ही टीम इंडिया के साथ सात साल की कोचिंग के दौरान उन्हें खेल का अच्छा अनुभव हो गया था। इस दौरान उन्हें जो भी सीखने को मिला वह उनके क्रिकेट सफर का शानदार सफर का हिस्सा है।

28 अगस्त को एशिया कप क्रिकेट में आमने-सामने होंगे भारत -पाक

कोलंबो । भारत ओर पाकिस्तान की क्रिकेट टीम एक बार फिर एशिया कप में आमने-सामने होंगी। एशिस कप अगले माह श्रीलंका में होगा। श्रीलंकाई बोर्ड ने देश में व्याप्त आर्थिक संकट के बाद भी इसका आयोजन देश में ही करने का फैसला किया है। इसमें क्रिकेट प्रशंसकों को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले का इतजार है। एशिया कप से दोनो ही टीमों को अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। श्रीलंकाई क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी एश्ले डिसिल्वा ने कहा कि टूर्नामेंट के मुकाबले तय कायक्रम के अनुसार ही कराए जाएंगे। इसके लिए एशियन क्रिकेट परिषद ने भी अपनी सहमति दे दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एशिया कप टी20 टूर्नामेंट की शुरुआत 27 अगस्त से होगी। इसमें भारत और पाक का मुकाबला 28 अगस्त को होने की संभावना है। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में अपना खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। भारत ने सात बार यह खिताब जीता है जबकि दो बार पाकिस्तान टीम विजेता रही है।

एशिया कप के मौजूदा टी20 प्रारुप में खेले जाएंगे। इसमें क्वालिफायर मुकाबले 21 अगस्त से शुरू होंगे। इसमें यूएई, ओमान, नेपान, हॉन्गकॉन्ग सहित अन्य टीमें उतरेंगी। इसमें से एक टीम मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालिफाई करेगी।

मुख्य ड्रॉ में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश को पहले ही जगह मिली है। अंतिम बार एशिया कप के मुकाबले 2018 में यूएई में हुए थे। उसके बाद से ही कोरोना संक्रमण के कारण ये नहीं हो पाये थे। अब जबकि हालात सामान्य हो गये हैं तब इन खेलों का आयोजन हो रहा है।

तेजस्विन राष्ट्रमंडल खेलों के लिये भारतीय दल में शामिल

नई दिल्ली । भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने कहा है कि ऊंची कूद एथलीट तेजस्विन शंकर को इसी माह 28 जुलाई से शुरु हो रहे 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय दल में शामिल किया जाएगा। इससे पहले तेजस्विन ने राष्ट्रमंडल खेलों के लिये चयनित टीम से में जगह नहीं मिलने पर दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिक दायर की थी। शंकर की इस याचिका पर अदालत ने एएफआई को आगे की कार्रवाई के लिये उनका नाम भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को भेजने के निर्देश दिये थे।

मैनचेस्टर में महिला यूरो कप फुटबॉल में खेलती हुई खिलाड़ी।

आर्थिक संकट से परेशान श्रीलंकाई क्रिकेट से खुशी हासिल कर रहे

गॉल । श्रीलंका में आर्थिक बदहाली के खराब दौर में लोगों के पास जहां कई समस्यायें हैं और वे खाने को भी तरस रहे हैं। तब क्रिकेट मैच ही लोगों को खुशी दे रहा है। श्रीलंका में ईंधन और रसोई गैस खरीदने तक के लिए लोगों को लंबी लाइनों में लगना पड़ रहा है। इसके बाद भी क्रिकेट की दीवानगी इतनी है कि स्टेडिमय भरे हुए हैं। यहां श्रीलंका और आस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट मैच अपने 10 साल के बेटे के साथ देखने पहुंचे एक व्यक्ति ने कहा, ''हां, देश में समस्याएं हैं, लोग परेशान और बेबस हैं और नीरज जीवन जी रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''बच्चों के लिए कोई खुशी नहीं है और हम बच्चों को उनकी जरूरत की चीजें नहीं दे पा रहे हैं। जब हम इसे क्रिकेट देखते हैं तो मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं।'' निलांथा पर्यटन के क्षेत्र से आजीविका कमाते थे पर ऊर्जा संकट के कारण देश में आने वाले यात्रियों की संख्या घटी है जिससे उनकी कमाई भी प्रभावित हुई है। वहीं एक अन्य शहर मटारा से क्रिकेट देखने यहां पहुंचे एक स्कूली छात्र के अनुसार परीक्षाएं भी नहीं हो रही हैं , ऐसे समय में केवल क्रिकेट ही उन्हें मानसिक रुप से राहत दे रहा है।

रियल लाइफ में ग्लैमरस हैं टीवी की संस्कारी बहू मेघा गुप्ता

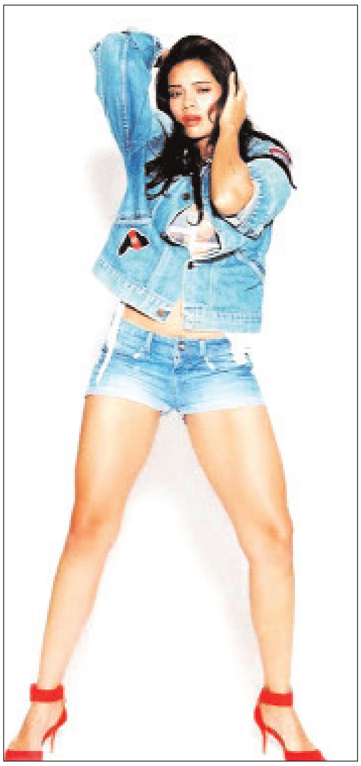

टीवी एक्ट्रेस मेघा गुप्ता 13 मई को अपना 36वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। इस खास मौके पर उन्होंने अपने चाहने वालों के लिए अपनी एक बेहद हॉट फोटो शेयर कर उन्हें सरप्राइज गिफ्ट दिया है।मेघा अपनी अभिनय के साथ साथ बोल्ड तस्वीरों को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। इनकी हालिया तस्वीरों को लेकर इंटरनेट पर काफी चर्चा हो रही है। फोटो में एक्ट्रेस का अंदाज उनके रील लाइफ किरदार से बिल्कुल अलग दिख रहा है।मेघा द्वारा शेयर की गई इस नई फोटो में वह खूबसूरती के साथ अपनी हॉट फिगर को फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं।जानकारी के लिए बता दें कि मेघा गुप्ता इससे पहले भी अपनी कई हॉट और बोल्ड फोटो शेयर कर चुकी हैं। मेघा गुप्ता जिन्हें आखिरी बार टीवी शो 'आयुषमान भवः' में 'समीरा' के घरेलू किरदार के रूप में देखा गया। इस शो में वो हमेशा साड़ी या अन्य पारंपरिक पहनावे में दिखी थीं। इस शो के अलावा भी उन्होंने कई शो में संस्कारी बहू बनकर लोगों को दिल जीता है।मेघा गुप्ता ने साल 2004 में टीवी शो 'कुसुम' से टीवी डेब्यू की थीं। इस शो में मेघा फेक कुमुद कपूर के रोल में नजर आई थीं। इसके बाद उन्हों ,'कुमकुम,' 'काव्यांजलि', 'ये है आशिकी', 'प्यार तूने क्या किया', 'ड्रीम गर्ल', 'कोई लौट के आया है'।

कोविड केयर सेंटर बनाएंगी जैकलीन फर्नांडीस

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस कोविड केयर सेंटर बनाने की तैयारी कर रही हैं। कोरोना की दूसरी लहर में बॉलीवुड के कई सेलेब्रिटीज अपने-अपने तरीके से जरूरतमंद लोगों की मदद कर रहे हैं। जैकलीन फर्नांडीस भी कोरोना संकट के समय लोगों की मदद के लिये आगे आयी हैं। पिछले दिनों जैकलीन की कुछ फोटोज सामने आई थीं, जिसमें वह लोगों को खाना खिलाते नजर आ रही थीं। जैकलीन अब एक कोविड केयर सेंटर बनाने की तैयारी कर रही हैं। जैकलीन ने बताया, हम लोग एक कोविड केयर फैसिलिटी सेंटर बनाने पर काम कर रहे हैं। इस सेंटर में 100 हॉस्पिटल बेड्स होंगे, हमारे पास 500 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स आ रहें और हम दो एम्बुलेंस भी खरीदने वाले हैं।

मास्क पहनें और जल्द से जल्द टीका लगवाएंः माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड स्टार माधुरी दीक्षित नेने ने सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों, अनुयायियों, दोस्तों और उद्योग के सहयोगियों के साथ उनके जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। माधुरी ने शनिवार को अपना 54 वां जन्मदिन मनाया। उन्होंने रविवार को फेसबुक पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें सभी को शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद कहा। साथ ही, अभिनेत्री ने सभी को याद दिलाया कि हम जिस कठिन परिस्थिति से गुजर रहे हैं, उसे ध्यान में रखते हुए हमें अपना मास्क पहने रखना है । साथ ही जल्द से जल्द टीका लगवाना है। वीडियो में माधुरी ने हिंदी और अंग्रेजी में बात की कहा, सभी को नमस्कार। आशा है कि आप सभी सुरक्षित और स्वस्थ हैं और अपने घरों के अंदर रह रहे हैं। मैं आप सभी को मेरे जन्मदिन पर इतनी हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देना चाहती थी, जो आपने मुझे ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक और हर जगह पर भेजा है। आपका बहुत बहुत धन्यवाद। आपका प्यार और शुभकामनाएं मुझे हर एक दिन विशेष महसूस कराती हैं।

सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं अर्जुन बिजलानी

अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने सोशल मीडिया पर अपने नवीनतम पोस्ट को साझा किया है। इंस्टाग्राम पर अर्जुन ने केप टाउन से कई तस्वीरें साझा कीं, जहां वह स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 11 वें सीजन की शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, आपका रवैया, आपकी योग्यता नहीं, आपकी ऊंचाई निर्धारित करेगी।अर्जुन के साथ, रियलिटी शो में दिखाई देने वाले अन्य लोगों में श्वेता तिवारी, अभिनव शुक्ला, दिव्यांका त्रिपाठी, निक्की तंबोली, अनुष्का सेन, राहुल वैद्य जैसे नाम शामिल हैं और सभी एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए दिखाई देंगे ।

अल्लू अर्जुन ने 'पुष्पा' के लिए ली है करोड़ों की फीस

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के चाहने वालों की लिस्ट बहुत ही लंबी है. एक्टर की फिल्मों को हर एक फैन को बेसब्री से इंतजार रहता है. अल्लु की जब भी फिल्म आती है छा जाती है. ऐसे में एक्टर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म पुष्पा को लेकर चर्चाओं में है. फिल्म में एक्टर की फीस भी सुर्खियां बटोर रही हैय इस फिल्म के अहम हिस्से की शूटिंग भी हो चुकी है. हाल ही में रिपोर्ट्स सामने आई थी कि अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर पुष्फा को मेकर्स 2 भागों में रिलीज करने वाले हैं. जिसके बाद से फैंस फिल्म को लेकर और भी ज्यादा एक्साइटेड हैं. हाल ही में फिल्म को लेकर एक चौंकाने वाली बात सामने आई है, जिसका कनेक्शन अल्लू अर्जुन है. रिपोर्ट्स हैं कि साउथ फिल्म स्टार अल्लू अर्जुन अपनी इस मचअवेटेड फिल्म के लिए मोटी रकम वसूल रहे हैं. खबर के अनुसार एक्टर ने इस फिल्म के लिए 50 करोड़ की फीस ली है. लगातार मीडियो रिपोट्स में दावा किया जा रहा है कि अल्लू अर्जुन पुष्पा के लिए पूरे 50 करोड़ रुपये की भारी भरकम फीस वसूल रहे हैं. हालांकि इस बात पर अभी तक किसी भी तरह की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है. इस फिल्म को अल्लू अर्जुन के प्रोड्यूसर पिता अल्लू अरविंद के साले साहब मुत्तमसेट्टी को-प्रोड्यूस कर रहे हैं. साथ ही फिल्म के निर्देशक सुकुमार हैं.इस फिल्म की टीजरअल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर रिलीज किया गया था. जिसके बाद से ही फैंस को लेकर बेकरार हैं. ऐसे में अब जब से अल्लू अर्जुन की फीस की बात सामने आई है फैंस और भी ज्यादा क्रेजी हो रहे हैं. पुष्पा में शनल अवॉर्ड विनर एक्टर फहाद फासिल मेन विलेन के रोल में दिखने वाले हैं. फिल्म इसी साल अगस्त में रिलीज हो सकती है. हाल ही मेंसाउथ फिल्म स्टार अल्लू अर्जुन को कोरोना ने अपनी चपेट में ले लिया था. इस बात की जानकारी एक्टर ने दी थी, जिसके बाद फिल्म स्टार ने खुद को क्वारंटाइन कर दिया था और वो होम आइसोलेशन में लंबे वक्त तक रहे थे।

सोश्यल मीडिया पर अंकुश जरुरी

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

सोश्यल मीडिया की प्रसिद्ध कंपनी, ट्विटर, ने यह कहकर अदालत की शरण ली है कि भारत सरकार अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर रही है, क्योंकि वह चाहती है कि ट्विटर पर जानेवाले कई संदेशों को रोक दिया जाए या हटा दिया जाए। उसने गत वर्ष किसान आंदोलन के दौरान जब ऐसी मांग की थी, तब कई संदेशों को हटा लिया गया था। लेकिन ट्विटर ने कई नेताओं और पत्रकारों के बयानों को हटाने से मना कर दिया था। जून 2022 में सरकार ने फिर कुछ संदेशों को लेकर उसी तरह के आदेश जारी किए हैं लेकिन अभी यह ठीक-ठीक पता नहीं चला है कि वे आपत्तिजनक संदेश कौन-कौन से हैं? क्या वे न्यायाधीशों की मनमानी टिप्पणियां हैं या नेताओं के निरंकुश बयान हैं या साधारण लोगों के अनाप-शनाप अभिमत हैं? सरकारी आपत्तियों को ट्विटर कंपनी ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन बताया है। उसका कहना है कि ज्यादातर आपत्तियां विपक्षी नेताओं के बयानों पर है। केंद्रीय सूचना तकनीक मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि सरकार ऐसे सब संदेशों को हटवाना चाहती है, जो समाज में बैर-भाव फैलाते हैं, लोगों में गलतफहमियां फैलाते हैं और उन्हें हिंसा के लिए भड़काते हैं। पता नहीं कर्नाटक का उच्च न्यायालय इस मामले में क्या फैसला देगा लेकिन सैद्धांतिक तौर पर वैष्णव की बात सही लगती है परंतु असली प्रश्न यह है कि सरकार अकेली कैसे तय करेगी कि कौनसा संदेश सही है और कौनसा गलत? अफसरों की एक समिति को यह अधिकार दिया गया है लेकिन ऐसे कितने अफसर हैं, जो मंत्रियों के निर्देशों को स्वविवेक की तुला पर तोलने की हिम्मत रखते हैं? इस बात की पूरी संभावना है कि वे हर संदेश की निष्पक्ष जांच करेंगे लेकिन अंतिम फैसला करने का अधिकार उसी कमेटी को होना चाहिए, जिस पर पक्ष और विपक्ष, सबको भरोसा हो। इसमें शक नहीं है कि सामाजिक मीडिया जहां सारे विश्व के लोगों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ है, वहीं उसके निरंकुश संदेशों ने बड़े-बड़े कोहराम भी मचाए हैं। आजकल भारत में चल रहा पैगंबर-विवाद और हत्याकांड उसी के वजह से हुए हैं। जरुरी यह है कि समस्त इंटरनेट संदेशों और टीवी चैनलों पर कड़ी निगरानी रखी जाए ताकि लक्ष्मण-रेखा का उल्लंघन कोई भी नहीं कर सके। सामाजिक मीडिया और टीवी चैनलों पर चलनेवाले अमर्यादित संदेशों की वजह से आज भारत जितना परेशान है, उससे कहीं ज्यादा यूरोप उद्वेलित है। इसीलिए यूरोपीय संघ की संसद ने कल ही दो ऐसे कानून पारित किए हैं, जिनके तहत गूगल, एमेजान, एप्पल, फेसबुक और माइक्रोसॉफ्ट जैसे कंपनियां यदि अपने मंचों से मर्यादा भंग करें तो उनकी कुल सालाना आय की 10 प्रतिशत राशि तक का जुर्माना उन पर ठोका जा सकता है। यूरोपीय संघ के कानून उन सब उल्लंघनों पर लागू होंगे, जो धर्म, रंग, जाति और राजनीति आदि को लेकर होते हैं। भारत सरकार को भी चाहिए कि वह इससे भी सख्त कानून बनाए लेकिन उसे लागू करने की व्यवस्था ठीक से करे।

दर्दनाक हादसा- हिमाचल की सड़कों पर मौत का तांडव कब थमेगा?

नरेन्द्र भारती

अल सुबह घर से काम पर निकले लोगों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा कि चंद मिनटों में मौत के आगोष में समा जाएंगें।ताजा हादसा आज 4 जुलाई 2022 को कुल्लु के सैंज में हुआ यहां एक निजि बस के गहरी खाई में गिरने से स्कूली बंच्चो समेत 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।यह हादसा सुबह 8 बजे के करीब हुआ।एक बार फिर लाषों के ढेर लगे, चारों तरफ खून बिखरा, लाषों को ढापनें के लिए कफन भी कम पड गए।घरों के इकलौते चिराग बूझ गए। हादसे से हर तरफ चीखो -पुकार मच गई।सैंज में हुए मौत के इस मंजर में हुई इन अकाल मौतों से हर हिमाचली गमगीन है। इन हादसों से जनमानस खौफजदा है।प्रदेष में एक दिन में 11 लोगों की मौतें बहुत ही दुखद है। प्रदेष में ऐसा कोई दिन नहीं होता जब किसी की सड़क हादसे में मौत न हुई हो हादसों का यह क्रम लगातार जारी है।सबक न सीखना लागों की आदत बन गया है इतने हादसे हो रहे है मगर सुधार षून्य ही है।इस पर मंथन करना होगा। है।कुछ दिन पहले कुल्लु में ही यक स्कारपियों के गहरी खाई में गिरने से 11 लोगों की मौत हो गइ र्थी। हिमाचल में चंबा से लेकर किन्नौर तक सड़क हादसे होते जा रहे है।प्रतिदिन मौत का तांडव हो रहा है ।दर्दनाक हादसों में परिवार के परिवार मौत के आगोष में समाते जा रहे है।।हर रोज दर्जनों लोग मारे जा रहे है। हादसों के आंकड़ो पर नजर डाली जाए तो रौंगटे खडे हो जाते है। जनवरी 2022से लेकर 4 अगस्त 2022 तक सात महिनों में हजारों हादसे हो चुके है और हजारों लोग मारे जा चुके है और यह सिलसिला थमनें का नाम नहीं ले रहा है। इससे पहले कई भीशण हादसे हो चुके है। है।आंकडों के अनुसार 9 अप्रैल 2018 को एक भीशण हादसा कांगड़ा के नूरपुर के चेली में घटित हुआ था जहां एक निजि स्कूल की बस के खाई में गिरने से 26 बच्चो समेत 30की मौत हो गई थी।अधिकतर बच्चे नर्सरी में पढ़ने वाले थे इस हादसे में मरने वालों में बस का चालक ,एक षिक्षक व एक युवती षामिल थे। एक तेज रफतार मोटर साईकल सवार को बचाने के चलते यह हादसा सामने आया।हादसा इतना भंयकर था कि 24 बच्चो ने घटनास्थल पर ही दम तोड दिया था।वहीं 7 मई 2016 को जोगिन्द्रनगर के पास हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस के गहरी खाई में गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई थी। मई 2016 को दोपहर कांगड़ा के ढलियारा में पंजाब से आए श्रध्दालूओं से भरी एक बस के 100 फीट खाई में गिरने से सात लोगों की मौत हो गई थी और 33 के लगभग घायल हो गए थे। प्रदेष में घटित यह खौफनाक हादसे बहुत ही दुखद हैं। इस सड़क हादसों में 11 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली उद्वेलित है। 2017 में भी हादसे पर हादसे हुए थे लोग असमय काल के गाल में समाते जा रहे हैं मगर हालात सुधरने के बजाए बिगड़ते ही जा रहे है लोग बीते हादसों को कैसे भूल जातें है । हिमाचल में हर रोज लापरवाही के कारण लोगों को मौत नसीब हो रही है अगर लोग जरा सी सावधनी बरते तो हादसों को रोका जा सकता है और अनमोल जीवन को बचाया जा सकता है।बीते हादसों पर नजर उाली जाए तो रौगटे खडे हो जाते है लगभग दो वर्श पहले एक भीशण हादसा मंडी के झिड़ी में हुआ था जब एक निजि बस चालक की लापरवाही के कारण 40 से अधिक लोगों की असमय मौत हो गई थी। व्यास नदी में गिरी इस बस में लगभग 70 सवारियां सवार थी। चालक कथित तौर पर मोबाईल फोन पर बात कर रहा था कि बस अनियंत्रित हो गई और नदी में समा गई। पल भर में ही यात्री लाषों में तब्दील हो गये। गनीमत रही कि राफटिंग दल ने जान जोखिम में डालकर 17 लोगों की जिदंगियां बचा ली नही तो मरने वालों का आंकडा 60 हो जाता यह हादसा नहीं सरासर हत्याएं थी कि चालक ने खुद छलांग लगाकर यात्रियों को असमय मौत के मुहं में धकेल दिया। 27नवंबर 2015 को राजधानी षिमला जिला की तहसील कुपवी में एक बोलैरो जीप गिरने से चार

युवकों की ददंनाक मौत हो गई थी यह सब युवा अभी 25 और 30 वर्श की उम्र के थे।किन्नौर के कल्पा मे भी एक जीप के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई यह दोनों हादसे एक ही दिन हुए जिसमें पांच धरों के चिराग बूझ गए थे। पिछले महिने दो हृदयविदारक हादसों में 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।पहला हादसा राजधानी षिमला में हुआ जहां एक कार के लगभग 250 फुट गहरी खाई में गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई जिनमें दो एसएसबी के जवान व एक आईटीआई का छात्र था। दूसरे हादसे में चंबा में बारातियों से भरी जीप के खाई में गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई थी और 18 बाराती घायल हो गए थी इस मालवाहक जीप में 26 बराती सवार थे मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खोया और यह जीप 250 मीटर गहरी खाई में गिर गई और आठ लोग बेमौत मारे गए मरने वालों में 18 से 30 साल तक के नौजवान थे जबकि एक 10 साल का लड़का था।लोग इतने लापरवाह होते जा रहे है कि जानबूझकर हादसों को न्यौता दे रहे है यदि जीप में क्षमता से अधिक लोग सवार किये गए तो हादसा होना निषचित था। बीते हादसों से न तो यात्रियों ने सबक सीखे और न ही प्रषासन ने कोई सबक सीखा ।अक्सर देखा गया है कि ज्यादातर हादसे ओवरलोडिगं के कारण होते है क्योकि इस 42 यात्रियों कि क्षमता वाली बस में 70 यात्री सफर कर रहे थे।यह कोई पहला हादसा नहें है इससे पहले कांगडा के आषापुरी में तथा बिलासपुर के बंदला में भी ऐसे भीशण हादसे हो चुके हैं। 2017 में इतने बड़े-बड़े हादसे हुए मगर इसमें सुधार नहीं हुआ।आखिर कब थमेगा यह मौत का मंजर इसका जबाव प्रषासन को देना होगा। प्रतिवर्श हजारों लोग हादसों का षिकार होते है तथा इतने ही घायल होते है ।अप्रैल माह में चंबा में भी 12 यवकों की मौत हो गई थी। हमीरपुर में भी मजदूर दिवस के दिन एक टाटा सूमों के खाई में गिरने से 10 मजदूरों की मृत्यु हो गई थी । 2018 के प्रथम सप्ताह से ही सड़को पर मौत रेंग रही है और सड़के रक्तरंजित हो रही हैं। अमूमन देखा गया है कि निजि बसां के कारण ज्यादातर दुर्घटनाएं हो रही है। क्योकि इन बसों में अप्रषिक्षित चालकों की लापरवाही के कारण भंयकर हादसे हो रहें हैं। मोबाइल पर प्रतिबन्ध है लेकिन इसकी खुजेआम धज्जियां उडाई जा रही है। प्रषासन भी हादसे के कुछ दिन सक्रियता दिखाता है फिर वही हालात हो जातें है। लोग भी किराये में कुछ रियायत के कारण सरकारी बसों में यात्रा न कर निजि बसों को अहमिहत देतें है और जिदंगियों से खिलवाड करवातें है। चंद चांदी के सिक्कों की खतिर बसों के परिचालक बसों में अपेक्षा से अधिक यात्रियों को बिठाते है और खुद मौत को निमंत्रण देते हैं। प्रतिदिन सडकों पर ओवरलोडिग बसें सरपट दौडती रहती है मगर प्रषासन आखें बंद करके सोया रहता है जब हादसा हो जाता है तब इसकी कुभंकरणी नींद टूटती है । प्रषासन के पहुचनें तक लोगों की सासें खत्म हो चुकी होती है। यदि प्रषासन समय-समय पर कारवाई करता रहे तों इन हादसों पर लगाम लग सकती है। मगर ऐसा नहीं होता ।समझ से परे है कि प्रषासन जितना पैसा राहत कार्यों में बांटता है यदि पहले ही सुरक्षा बरती जाए तो लोगों की अनमोल जिन्दगियां बच सकती हैं। एक व्यक्ति की लापरवाही का खामियाजा लोगों को जान देकर भुगतना पड रहा है। ऐसे लोगों को सजा-ए -मौत देनी चाहिए जो जानबूझकर लोगों की मौत का कारण बनते हैं। यह हादसा इतने जख्म दे गया कि लोगों को उबरने में वर्शों लग जाएगें। इसमें घरों के चिराग बूझ गये कई बच्चों के सिर से बाप का साया उठ गया तो कई माताओं व बहनों के सुहाग छिन गये।

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है। निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है। निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है।

ठाकरे तो एक ही था, बाकी सब ठीकरे

अनिल बिहारी श्रीवास्तव

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष पद पर भारतीय जनता पार्टी के राहुल नारवेकर का रविवार को चुनाव और दूसरे ही दिन एकनाथ शिंदे सरकार का पूरी दमदारी से विश्वास मत हासिल कर लेना दो बड़ी घटनाएं हैं। 2019 में उद्धव ठाकरे के विश्वासघात से व्यथित देवेंद्र फडणवीस की वह भविष्यवाणी सच हुई है जिसमें उन्होंने कहा था कि %हम लौट कर आएंगे।% राहुल नारवेकर 107 के विरूद्ध 164 मतों से विधानसभा अध्यक्ष चुने गए हैं। सोमवार को शिंदे सरकार ने 99 के विरूद्ध 164 मतों से विश्वास मत जीता। राज्य में जिस तरह सत्ता परिवर्तन हुआ वह साबित करता है कि सही या गलत फैसले का जीवन पर किस तरह प्रभाव पड़ता है। बात उद्धव ठाकरे की करें। गलत फैसलों, राजनीतिक और प्रशासनिक अकुशलता ने उन्हें कहां से कहां पहुंचा दिया। सत्ता गई, साख की फजीहत हुई और अब शिवसेना तक हाथ से निकल जाने जैसे हालात बन रहे हैं। दूसरी ओर नए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हैं। कभी आटो रिक्शा चलाते थे। बाल ठाकरे से प्रभावित थे। शिवसेना के मैदानी कार्यकर्ता बने। जमीन से जुड़ाव, समय के साथ आई राजनीतिक परिपक्वता और सही फैसले लेने की क्षमता के बूत मुख्यमंत्री बन गए। शिंदे स्वीकार करते हैं कि %मुख्यमंत्री बनने की कल्पना उन्होंने कभी की ही नहीं थी।% वह पूरी विनम्रता और मुक्तकंठ से देवेंद्र फडणवीस की प्रशंसा करते हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की महाअघाड़ी सरकार ढहने के बाद शरद पवार की खीझ उनके ताजा बयान से सामने आ गई। पवार ने भविष्यवाणी की है कि भाजपा, शिवसेना के शिंदे गुट और कुछ निर्दलियों के समर्थन से बनी शिंदे सरकार 6 माह में गिर जाएगी। शायद ही कोई खरा राजनीतिक विश्लेषक पवार से सहमत होगा। फिलहाल ऐसा कुछ होने के दूर-दूर तक आसार नहीं हैं। संभावना इस बात की है कि शिंदे गुट को ही असली शिवसेना मान लिया जाए। इस समय उद्धव के समक्ष चुनौती बचे-खुचे शिवसैनकों को शिंदे के पाले में जाने से रोकने की है।

अपने संदर्भ संकलन के पन्ने पलटते समय 2019 की एक टीवी बहस पर नजर टिक गई। चैनल का नाम तो याद नहीं परंतु बहस में भाग ले रहे एक राजनीतिक विश्लेषक की टिप्पणी ने अवश्य ध्यान खींचा। तब, महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों के परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए उद्धव ठाकरे का मचलना, फिर पुराने सहयोगी भाजपा से नाता तोड़ लेना, उसके बाद कांग्रेस और राकांपा की गोद में उनके जा बैठने पर विश्लेषक ने कहा था, %बिना पद के इज्जत कमाना बाल ठाकरे से सीखें और पद के लिए इज्जत गंवाना उद्धव ठाकरे से।% वह आगे बोले, %ठाकरे तो एक ही था, अब तो बस ठीकरे हैं।% कितना सटीक विश्लेषण था। दो साधारण वाक्यों में कितना असाधारण विश्लेषण था। राजनीति और प्रशासन में अनुभवहीनता और चाटुकार सलाहकारों के चलते उद्धव ठाकरे का इज्जत और लोकप्रियता का ग्राफ आज गोता लगा रहा है। क्या मातोश्री की शान और प्रतिष्ठा पर पर हुआ गहरा आघात छिपा रह पा रहा है? वहां सन्नाटा पसरा है। मातोश्री के आसपास गहरी शून्यता वहां के पेड़-पौधे भी कैसे सहन कर पा रहे होंगे? कभी महाराष्ट्र की राजनीति में सबसे ताकतवर माने जाते रहे ठाकरे परिवार ने ऐसे दिन देखने की कल्पना नहीं की होगी। सदमे में कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(राकांपा) भी हैं। दोनों ने सत्ता सुख खोया है। एक झटके में रुतबा खत्म हो गया। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस किसी भी दिन महाअघाड़ी से अलग होने की घोषणा कर सकती है। वैसे भी शिवसेना के साथ बेमेल याराना से महाराष्ट्र के छोटे-बड़े कांग्रेसी काफी असहज महसूस कर रहे थे। एक पखवाड़े तक महाराष्ट्र में चली राजनीतिक उथल-पुथल शांत हो चुकी है। विचारणीय प्रश्न यह है कि महाराष्ट्र के घटनाक्रम में नफा-नुकसान का गणित क्या कह रहा है? निचोड़ यही है कि भाजपा एक बार फिर सबसे अधिक ताकतवर होकर उभरी है। कांग्रेस और राकांपा दोनों के सपने टूट चुके हैं। शिवसेना विभाजन की कगार पर है। ठाकरे परिवार का राजनीतिक प्रभाव क्षींण हुआ है। सबसे अधिक घाटे में उद्धव ठाकरे दिखाई दे रहे हैं। राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से वह बहुत कमजोर साबित हुए हैं। उनकी वह ठसक अब नहीं दिखेगी जो ढाई तीन साल पहले तक दिखाई देती रही है। बाला साहब के समय बड़े-बड़े राजनीतिक और गैर-राजनीतिक दिग्गज मातोश्री में हाजिरी लगाने या सलाम ठोकने जाते थे। वही प्रभाव काफी हद तक 2019 तक दिखाई दे जाता था।

चलो हम पेड़ लगाएं और वे कैमरा चमकाएं

सूडोकु नवताल- 6125

★★★★☆ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6124 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

प्रभुनाथ शुक्ल

हमारे देश में बरसात का मौसम हरियाली उगाने का मौसम होता है। पूरे चौमासा में हरियाली उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसमें सरकारों की दिलचस्पी अधिक होती है। हरियाली उत्सव के इश्तहार बड़े अच्छे लगते हैं। माननीयों का पवित्र हाथ जिस पर पड़ गया उसका जीवन सुफल हो गया। कहते हैं कि हरियाली नहीं बची तो जीवन नहीं बचेगा। पेड़ मर गए तो जीवन मर जाएगा। जिसकी वजह से सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर हरियाली बचाने के प्रयास हो रहे हैं। मानसून सत्र में पेड़ लगाओ उत्सव चल रहा है। पर्यावरण संरक्षण के नारे गढ़े जा रहे हैं। धरती को हरी-भरी बनाने का अभियान इतना तेज हो चला है कि एक-एक दिन में करोड़ों नवजात पौधे एक जगह से अपदस्थ कर दूसरी जगह वृक्ष स्थापना की उम्मीद में पदस्त किए जा रहे हैं। वैसे भी अपदस्त करने का मौसम चल रहा है। कुछ का द इंड को गया है तो दूसरे वेटिंग लिस्ट में हैं। अपदस्त का मंचन कब सतह पर आ जाए कुछ कहा नहीं जा सकता है। हरियाली स्थापना अभियान चंद्रयान मिशन से भी तगड़ा है। पेड़ों को कागजी कक्षा में बैठाने का सफल परीक्षण जारी है। मिशन को सफल करने में पूरी सरकार लगी है। एक दिन में ग्लोबल ग्रीन का रिकार्ड भी बनाया जा रहा है। गिनीज बुक वालों को खोजा रहा है।

नवजात वृक्ष शिशुओं के लिए यह परम सौभाग्य का दिन है। वह अपने भाग्य पर इठला रहे हैं। नेता, अफसर, संतरी, मंत्री सभी नवजातों को प्रतिस्थापना को लेकर व्यग्र हैं। रंगोली बनाकर वृक्ष लगाए जा रहे हैं। सभी मानसून से चिरौरी करते फिर रहे है कि काश आप इसी तरह हमेंशा कायम रहें। गली मोहल्ले के छुटभैइये नेता से लेकर पूरी सरकार हरियाली उत्सव में शरीक है। पौधे लगा कर सोशलमीडिया पर हजारों हजार सेल्फी हर रोज अपलोड़ हो रही है। नवजात शिशुओं का टेम्पोंहाई है। वह मुख्यमंत्री, अधिकारी, संतरी, नेता, व्यापारी, बुद्धजीवि, वैज्ञानिक, पर्यावरण विद् के हाथों में पहुंच इतरा रहे हैं। वह खुद को परम सौभाग्यशाली समझ रहे हैं।

नवजात वृक्ष शिशुओं में होड़ लगी है। नवजात वृक्ष खुद एक दूसरे को नीचे दिखा रहे हैं। कोई कह रहा है देख हम सीएम के हाथ से पदस्त हुए, दूसरा बोल रहा है कि हमें सचिव साबह ने रोपा। तीसरा बोल रहा है कि हमें अभिनेता जी ने रोपा और कुछ बगैर रोपे दुनिया से अलविदा हो गए। उन्हें अपने भाग्य पर इतराने का मौका भी नहीं मिला। ट्वीटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक, वाट्सप ग्रुप में हरियाली उत्सव छाया है। जमींन में एक वृक्ष पदस्त हो रहा है, लेकिन मीडिया के सैकड़ों कमैरे चमक रहे हैं। कोई पत्तियां पकड़े है तो कोई जड़ और तना। साहब के हाथ में फावड़ा है। जूते की पालिश तक फीकी नहीं पड़ रही है। हाथ में मिट्टी तक नहीं लगी है। भला यह परम सौभाग्य इन बेचारों को कब मिलता। यह तों सरकारें ही कर सकती हैं। इतना बड़ा उत्सव वहीं मना सकती हैं। यह हर साल बारिश में मनाया जाता है।

अखबारों में हरियाली उत्सव के नारे और बड़े-बड़े इश्तिहार छपते हैं। पर्यावरण बचाने का ज्ञान बखरा जाता है। सख्त से सख्त निर्देश जारी होते हैं। वृक्षों की पदस्थता के लिए करोड़ों खारिज होते हैं। अगले बरस के मानसून का फिर इंतजार किया जाएगा। तब तक जमींन में वृक्षों की जड़ें जमाने और उनकी सुरक्षा के लिए दूसरा बजट खारिज होगा। अगले साल मानसून की दस्तक के साथ हरितिमा की नई योजना बनाई जाएगी। फिर हरियाली उत्सव मनाया जाएगा। फिर नई सरकार आएगी। अपने स्तर से दूसरी योजना लाएगी। अब तक की सरकारों में जो करोड़ों वृक्ष रोपे गए उसमें कितने प्राण गवा चुके हैं। कितने वेंटीलेटर और आईसीयू में हैं उसकी चिंता किसी को नहीं है। उसमें कोई जिंदा भी है या नहीं इसकी भी फिक्र नहीं है। क्योंकि मरने वालों का हिसाब नहीं रखा जाता। सरकारें सिर्फ वर्तमान का हिसाब रखती हैं। दूसरों का लेखाजोखा नहीं छेड़ना चाहती। गलत परंपरा नहीं डालना चाहती।

ऐसा भी क्या सेल्फियाना

प्रभात गोस्वामी

प्रभात गोस्वामी का तीसरा व्यंग्य संग्रह ऐसा भी क्या सेल्फियाना पढ़ने का अवसर मिला। चुटीले चालीस व्यंग्य आलेखों के साथ समकालीन चर्चित सोलह व्यंग्यकारो की प्रतिक्रियायें भी किताब में समाहित हैं। ये टिप्पणियां स्वयमेव ही पुस्तक की और प्रभात जी के व्यंग्य कर्म की समीक्षायें हैं। प्रभात गोस्वामी कि जो सबसे बडी खासियत पाठक के पक्ष में मिलती है वह है उनका विषयों का चयन। वे पाठकों की रोजमर्रा की जिंदगी के आजू बाजू से मनोरंजक विषय निकाल कर दो तीन पृष्ठ के छोटे से लेख में गुदगुदाते हुये कटाक्ष करने में माहिर हैं। ऐसा भी क्या सेल्फियाना लेख के शीर्षक को ही किताब का शीर्षक बनाकर प्रकाशक ने साफ सुथरी त्रुटि रहित प्रिंटिग के साथ अच्छे गेटअप में किताब प्रकाशित की है। सेल्फी के अतिरेक को लेकर कई विचारशील लेखकों ने कहीं न कही कुछ न कुछ लिखा है। मैंने अपने एक व्यंग्य लेख में सेल्फी को आत्मनिर्भरता का प्रतीक बतलाया है। प्रभात जी ने सेल्फी की आभासी दुनियां और बाजार की मंहगाई, सेल्फी लेने की आकस्मिक आपदाओ,किसी हस्ती के साथ सेल्फी लेने का रोचक वर्णन, अपने क्रिकेट कमेंटरी के फन से जोड़ते हुये किया हैं। किन्तु जीवन यथार्थ के धरातल पर चलता है, सोशल मीडीया पर पोस्ट की जा रही आभासी सेल्फी से नहीं, व्यंग्य में इसका आभास तब होता है जब भोजन की जगह पत्नी व्हाट्सअप पर आभासी थाली फारवर्ड कर देती हैं। इस व्यंग्य में ही नहीं बल्कि प्रभात जी के लेखन में प्रायः बिटविन द लाइन्स अलिखित को पढ़ने, समझने के लिये पाठक को बहुत कुछ होता है। इसी तरह एलेक्सा तुम बतलाओ कि हम बतलायें क्या भी छोटा सा कथा व्यंग्य है। लेखक जेंडर इक्विलीटी के प्रति सतर्क है, वह तंज करता है कि एलेक्सा और सीरी से चुहल दिलजलों को बर्दाश्त नहीं, वे इसके मेल वर्जन की मांग करते हैं। व्यंग्य के क्लाइमेक्स में नई दुल्हन एलेक्सा को पति पत्नी और वो के त्रिकोण में वो समझ लेती है और पीहर रुखसत कर जाती है। प्रभात जी इन परिस्थितियों में लिखते हैं एलेक्सा तुम बतलाओ कि हम बतलायें क्या, और पाठक को घर घर बसते एलेक्सा के संसार में थोड़ा हंसने थोड़ा सोचने के लिये विवश कर देते हैं रचना चोरों के लिये साहित्यिक थाना, पहले प्यार सी पहली पुस्तक, आओ हुजूर तुमको, दो कालम भी मिल न सके किसी अखबार में जैसे लेख प्रभात जी की समृद्ध भाषा, फिल्मी गानों में उनकी अभिरुचि और सरलता से अभिव्यक्ति के उनके कौशल के परिचायक हैं।

ज्योर्तिलिंग पूजा की है विशेष मान्यता

देश में ज्योतिर्लिंग पूजा विशेष मान्य है। इसलिए शिव मंदिर में भगवान शिव की इसी रूप में पूजा होती है। भगवान राम ने भी रेत से शिवलिंग का निर्माण कर रामेश्वरम की स्थापना की थी। सृष्टि के आरंभ में भगवान शिव ने लिंग रूप में ही प्रकट होकर अपने विस्तार का ज्ञान भगवान विष्णु और ब्रह्माजी को करवाया था। यहां हम भी आपको भारत के प्रमुख ज्योतिर्लिंग के बारे में बता रहे हैं जिनमें आप शिव की भव्यता का अनुभव करें।

1- सोमनाथ ज्योतिर्लिंग

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत का ही नहीं अपितु इस पृथ्वी का पहला ज्योतिर्लिंग माना जाता है। यह मंदिर गुजरात राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित है। शिवपुराण के अनुसार जब चंद्रमा को दक्ष प्रजापति ने क्षय रोग होने का श्राप दिया था, तब चंद्रमा ने इसी स्थान पर तप कर इस श्राप से मुक्ति पाई थी। ऐसा भी कहा जाता है कि इस शिवलिंग की स्थापना स्वयं चंद्रदेव ने की थी। विदेशी आक्रमणों के कारण यह 17 बार नष्ट हो चुका है। हर बार यह बिगड़ता और बनता रहा है।

2 - मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग आन्ध्र प्रदेश में कृष्णा नदी के तट पर श्रीशैल नाम के पर्वत पर स्थित है। इस मंदिर का महत्व भगवान शिव के कैलाश पर्वत के समान कहा गया है। अनेक धार्मिक शास्त्र इसके धार्मिक और पौराणिक महत्व की व्याख्या करते हैं। कहते हैं कि इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने मात्र से ही व्यक्ति को उसके सभी पापों से मुक्ति मिलती है। एक पौराणिक कथा के अनुसार जहां पर यह ज्योतिर्लिंग है, उस पर्वत पर आकर शिव का पूजन करने से व्यक्ति को अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य फल प्राप्त होते हैं।

3- महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश की धार्मिक राजधानी कही जाने वाली उज्जैन नगरी में स्थित है। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की विशेषता है कि ये एकमात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। यहां प्रतिदिन सुबह की जाने वाली भस्मारती विश्व भर में प्रसिद्ध है। महाकालेश्वर की पूजा विशेष रूप से आयु वृद्धि और आयु पर आए हुए संकट को टालने के लिए की जाती है। उज्जैन वासी मानते हैं कि भगवान महाकालेश्वर ही उनके राजा हैं और वे ही उज्जैन की रक्षा कर रहे हैं।

4 - ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध शहर इंदौर के समीप स्थित है। जिस स्थान पर यह ज्योतिर्लिंग स्थित है, उस स्थान पर नर्मदा नदी बहती है और पहाड़ी के चारों ओर नदी बहने से यहां ऊं का आकार बनता है। ऊं शब्द की उत्पति ब्रह्मा के मुख से हुई है। इसलिए किसी भी धार्मिक शास्त्र या वेदों का पाठ ऊं के साथ ही किया जाता है। यह ज्योतिर्लिंग औंकार अर्थात ऊं का आकार लिए हुए है, इस कारण इसे ओंकारेश्वर नाम से जाना जाता है।

5 - केदारनाथ ज्योतिर्लिंग

केदारनाथ स्थित ज्योतिर्लिंग भी भगवान शिव के 12 प्रमुख ज्योतिर्लिंगों में आता है। यह उत्तराखंड में स्थित है। बाबा केदारनाथ का मंदिर बद्रीनाथ के मार्ग में स्थित है। केदारनाथ समुद्र तल से 3584 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। केदारनाथ का वर्णन स्कन्द पुराण एवं शिव पुराण में भी मिलता है। यह तीर्थ भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। जिस प्रकार कैलाश का महत्व है उसी प्रकार का महत्व शिव जी ने केदार क्षेत्र को भी दिया है।

6 - भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के पूणे जिले में सह्याद्रि नामक पर्वत पर स्थित है। भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग को मोटेश्वर महादेव के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर के विषय में मान्यता है कि जो भक्त श्रृद्धा से इस मंदिर के प्रतिदिन सुबह सूर्य निकलने के बाद दर्शन करता है, उसके सात जन्मों के पाप दूर हो जाते हैं तथा उसके लिए स्वर्ग के मार्ग खुल जाते हैं।

7 - काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग

विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह उत्तर प्रदेश के काशी नामक स्थान पर स्थित है। काशी सभी धर्म स्थलों में सबसे अधिक महत्व रखती है। इसलिए सभी धर्म स्थलों में काशी का अत्यधिक महत्व कहा गया है। इस स्थान की मान्यता है, कि प्रलय आने पर भी यह स्थान बना रहेगा। इसकी रक्षा के लिए भगवान शिव इस स्थान को अपने त्रिशूल पर धारण कर लेंगे और प्रलय के टल जाने पर काशी को उसके स्थान पर पुन॰ रख देंगे।

8 - त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग गोदावरी नदी के करीब महाराष्ट्र राज्य के नासिक जिले में स्थित है। इस ज्योतिर्लिंग के सबसे अधिक निकट ब्रह्मागिरि नाम का पर्वत है। इसी पर्वत से गोदावरी नदी शुरूहोती है। भगवान शिव का एक नाम त्र्यंबकेश्वर भी है। कहा जाता है कि भगवान शिव को गौतम ऋषि और गोदावरी नदी के आग्रह पर यहां ज्योतिर्लिंग रूप में रहना पड़ा।

9 - वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग

श्री वैद्यनाथ शिवलिंग का समस्त ज्योतिर्लिंगों की गणना में नौवां स्थान बताया गया है। भगवान श्री वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का मन्दिर जिस स्थान पर अवस्थित है, उसे वैद्यनाथ धाम कहा जाता है। यह स्थान झारखण्ड प्रान्त, पूर्व में बिहार प्रान्त के संथाल परगना के दुमका नामक जनपद में पड़ता है।

10 - नागेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग गुजरात के बाहरी क्षेत्र में द्वारिका स्थान में स्थित है। धर्म शास्त्रों में भगवान शिव नागों के देवता है और नागेश्वर का पूर्ण अर्थ नागों का ईश्वर है। भगवान शिव का एक अन्य नाम नागेश्वर भी है। द्वारका पुरी से भी नागेश्वर ज्योतिर्लिंग की दूरी 17 मील की है। इस ज्योतिर्लिंग की महिमा में कहा गया है कि जो व्यक्ति पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ यहां दर्शनों के लिए आता है उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

11- रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग तमिलनाडु राज्य के रामनाथ पुरं नामक स्थान में स्थित है। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक होने के साथ-साथ यह स्थान हिंदुओं के चार धामों में से एक भी है। इस ज्योतिर्लिंग के विषय में यह मान्यता है, कि इसकी स्थापना स्वयं भगवान श्रीराम ने की थी। भगवान राम के द्वारा स्थापित होने के कारण ही इस ज्योतिर्लिंग को भगवान राम का नाम रामेश्वरम दिया गया है।

12 - घृष्णेश्वर मन्दिर ज्योतिर्लिंग

घृष्णेश्वर महादेव का प्रसिद्ध मंदिर महाराष्ट्र के संभाजीनगर के समीप दौलताबाद के पास स्थित है। इसे घृसणेश्वर या घुश्मेश्वर के नाम से भी जाना जाता है। दूर-दूर से लोग यहां दर्शन के लिए आते हैं और आत्मिक शांति प्राप्त करते हैं। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से यह अंतिम ज्योतिर्लिंग है। बौद्ध भिक्षुओं द्वारा निर्मित एलोरा की प्रसिद्ध गुफाएं इस मंदिर के समीप स्थित हैं। यहीं पर श्री एकनाथजी गुरु व श्री जनार्दन महाराज की समाधि भी है।

तो आप करेंगे यात्राएं

हाथ भी आपके व्यवहार और जीवनशैली की जानकारी दे देते हैं। जिन व्यक्तियों के हाथ की उंगलियां चौड़े सिरों वाली यानी सिरे पर से पहले एवं दूसरे जोड़ की अपेक्षा अधिक चौड़ी होती हैं ऐसे व्यक्ति में कर्म करने की तीव्र इच्छा रहती है। ये व्यक्ति खाली नहीं बैठ सकते, लेकिन अस्थिर प्रवृत्ति के होते हैं। ऐसे व्यक्ति यात्रा प्रेमी होते हैं और जीवन में बदलाव के पक्षपाती भी होते हैं। ऐसे व्यक्ति आविष्कारक एवं यान्त्रिक दक्षता वाली प्रवृत्ति के होते हैं। विस्तार, शोध एवं अनुसंधान से इन्हें विशेष प्रेम होता है। जिन व्यक्तियों की हाथ की उंगलियों के सिरे मिश्रित हों अर्थात एक उंगली का सिरा नोकदार दूसरी उंगली का सिरा वर्गाकार, तीसरी का सिरा चौड़ा हो, ऐसा व्यक्ति बहुमुखी प्रतिभा का स्वामी होता है। ऐसा व्यक्ति ग्रहणशील होता है और किसी भी कार्य को अनायास ही करने में सक्षम होता है। ऐसा व्यक्ति सब कार्यों में दखल तो रखता है, किन्तु दक्ष किसी कार्य में नहीं होता। ऐसा व्यक्ति सर्वगुण सम्पन्न तो होता है, किन्तु उसमें विशेषज्ञता की कमी होती है। हर प्रकार के व्यक्ति से वह सही व्यवहार कर सकता है।

वास्तुदोष दूर करने करें गणपति पूजा

वास्तु दोष से मुक्त सुन्दर व अच्छा घर बनाना या उसमें रहना हर व्यक्ति की इच्छा होती है पर थोड़ा सा भी वास्तु दोष आपको काफी कष्ट दे सकता है लेकिन वास्तु दोष निवारण के महंगे उपायों को अपनाने से पहले विघ्नहर्ता गजानन के आगे मस्तक जरूर टेक लें क्योंकि आपके कई वास्तु दोषों का इलाज गणपति पूजा से ही हो जाता है।

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्मजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। यह मानव कल्याण के लिए बनाया गया था, इसलिए इनकी अनदेखी करने पर घर के सदस्यों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती है। अत॰ वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए भगवान गणेश जी को पूजना बेहतर लाभ देगा। इनकी आराधना के बिना वास्तुदेवता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। बिना तोड़-फोड़ अगर वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो इन्हें आजमाएं।

गणपति जी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं होता है। मान्यता यह है कि नियमित गणेश जी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है। इससे घर में खुशहाली आती है और तरक्की होती है।

मुख्य द्वार पर लगाये प्रतिमा: यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगाए कि दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे। इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है। भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिंदूर से स्वास्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है। घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किंतु प्रतिमा लगाते समय यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैर्ऋत्य कोण में नहीं हो। इसका विपरीत प्रभाव होता है।

घर में बैठे हुए गणेश जी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणपति जी का चित्र लगाना चाहिए, किंतु यह ध्यान रखें कि खड़े गणेश जी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात् केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है। किंतु टॉयलेट अथवा ऐसे स्थान पर गणेशजी का चित्र नहीं लगाना चाहिए जहां लोगों को थूकने आदि से रोकना हो। यह गणेशजी के चित्र का अपमान होगा। सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए घर में सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।

सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल नहीं: सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है। इससे शीघ्र फल की प्राप्ति होती है। विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की ओर सूंड घुमी हुई हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेश जी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। शास्त्रों में कहा गाया है कि दाएं सूंड वाले गणपति देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं।

शनिदेव का करें पूजन और व्रत

सभी लोग जीवन में सुख् शांति चाहते हैं और उसके लिए प्रयास करते हैं पर कई बार मेहनत के बाद भी लाभ नहीं होता। इसका कारण यह है कि जीवन में ग्रहों का प्रभाव बहुत प्रबल माना जाता है और उस पर भी शनि ग्रह अशांत हो जाएं तो जीवन में कष्टों का आगमन शुरू हो जाता है। इसलिए शनि दोष से पीड़ित जातकों को शनिवार के दिन शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए उनका पूजन और व्रत रखना चाहिये। ब्रह्म मुहूर्त में उठकर नहा धोकर और साफ कपड़े पहनकर पीपल के वृक्ष पर जल अर्पण करें।

- लोहे से बनी शनि देवता की मूर्ति को पंचामृत से स्नान कराएं।
- फिर मूर्ति को चावलों से बनाए चौबीस दल के कमल पर स्थापित करें।
- इसके बाद काले तिल, फूल, धूप, काला वस्त्र व तेल आदि से पूजा करें।
- पूजन के दौरान शनि के दस नामों का उच्चारण करें- कोणस्थ, कृष्ण, पिप्पला, सौरि, यम, पिंगलो, रोद्रोतको, बभ्रु, मंद, शनैश्चर।
- पूजन के बाद पीपल के वृक्ष के तने पर सूत के धागे से सात परिक्रमा करें।
- इसके बाद शनिदेव का मंत्र पढ़ते हुए प्रार्थना करें।
- शनैश्चर नमस्तुभ्यं नमस्ते त्वथ राहवे। केतवेअथ नमस्तुभ्यं सर्वशांतिप्रदो भव॥

इसी तरह सात शनिवार तक व्रत करते हुए शनि के प्रकोप से सुरक्षा के लिए शनि मंत्र की समिधाओं में, राहु की कुदृष्टि से सुरक्षा के लिए दूर्वा की समिधा में, केतु से सुरक्षा के लिए केतु मंत्र में कुशा की समिधा में, कृष्ण जौ, काले तिल से 108 आहुति प्रत्येक के लिए देनी चाहिए।

- फिर अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार ब्राह्मणों को भोजन कराकर लौह वस्तु धन आदि का दान अवश्य करें।

हृदय रेखा छोटी या फिर हल्की होना अच्छा नहीं

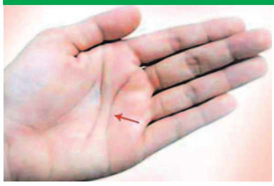

विवाह के लिए वर-वधू का योग देखने में हस्तरेखा का बहुत बड़ा योगदान होता है। किसी भी विवाह का भविष्य वर और कन्या की हथेली पर उपस्थित विभिन्न रेखाओं, पर्वतों और चिह्नों की स्थिति पर निर्भर करता है। कुछ ऐसी रेखाओं के बारे में जान लें जो विवाह के मामले में अच्छी साबित नहीं होतीं।

हृदय रेखा

यदि आपकी हृदय रेखा छोटी सा फिर हल्की है तो आपके लिए वैवाहिक संयोग अच्छे नहीं हैं। ऐसे में विवाह होने के बाद भी आपके संबंधों में विच्छेद हो सकता है।

मंगल पर्वत

यदि आपका मंगल पर्वत जरूरत से ज्यादा विकसित हो या फिर मंगल पर दोषपूर्ण चिह्न हो तो ऐसे में विवाह करना आपके लिए सही नहीं होगा।

शुक्र पर्वत हों कम विकसित

शुक्र पर्वत कम विकसित होने पर वैवाहिक जीवन में शारीरिक संतुष्टि नहीं प्राप्त होती। चंद्र पर्वत और बृहस्पति के कम विकसित होने पर भी ऐसा ही होता है।

हृदय रेखा पर काले चिह्न अशुभ

यदि आपकी हृदय रेखा पर किसी प्रकार के काले चिह्न शुभ नहीं है। मस्तिष्क रेखा और जीवन रेखा में जरूरत से ज्यादा दूरी होना सही नहीं है। हाथ का निचला क्षेत्र अत्यधिक विकसित होना अच्छा नहीं माना जाता। ये सभी बातें विवाह पश्चात शारीरिक अनुकूलता के लिए सही नहीं है। ये सभी विकार असंतुष्ट यौन संबंधों को दर्शाते हैं।

संतान सुख नहीं मिल पाता इनको

अगर आपकी हृदय रेखा छोटी है और शुक्र व गुरु पर्वत के उभार भी कम हैं। विवाह रेखा के ऊपर क्रॉस है। जिस स्थान पर मस्तिष्क रेखा बुध रेखा को काटती है, अगर वहां तारा है तो यह शुभ नहीं है।

ऐसे में हो सकता है तलाक भी

विवाह रेखा अंत में दो भागों में बंट रही हो। शुक्र पर्वत पर जाल या फिर एक-दूसरे को काटती हुई रेखाएं हो तो ये शारीरिक अक्षमता को दर्शाता है। विवाह रेखा को कोई रेखा काटे तो तलाक की आशंका बढ़ जाती है।

गायत्री मंत्र का करें पाठ

गायत्री मंत्र का उच्चारण करने से व्?यक्ति के जीवन में खुशियों का संचार होता है। इस मंत्र का जाप करने से शरीर निरोग बनता है और इंसान को यश, प्रसिद्धि और धन की प्राप्ति भी होती है। हिन्दू धर्म में गायत्री मंत्र को विशेष मान्यता प्राप्त है। कई शोधों द्वारा यह भी प्रमाणित किया गया है कि गायत्री मंत्र के जाप से कई फायदे भी होते हैं जैसे ॰ मानसिक शांति, चेहरे पर चमक, खुशी की प्राप्ति, चेहरे में चमक, इन्द्रियां बेहतर होती हैं, गुस्सा कम आता है और बुद्धि तेज होती है।

गायत्री मंत्र

- भूर्भुवः स्वः
- तत्सवितुर्वरेण्यं
- भर्गो देवस्यः धीमहि
- धियो यो नः प्रचोदयात
- गायत्री मंत्र का अर्थ

भगवान सूर्य की स्तुति में गाए जाने वाले इस मंत्र का अर्थ निम्न है... उस प्राणस्वरूप, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अन्तःकरण में धारण करें। वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग में प्रेरित करे1

मंत्र के प्रत्येक शब्द की व्याख्या

- गायत्री मंत्र के पहले नौ शब्द प्रभु के गुणों की व्याख्या करते हैं...

प्रणव

- **भूरः** मनुष्य को प्राण प्रदाण करने वाला
- **भुवः** दुखों का नाश करने वाला
- **स्वः** सुख प्रदाण करने वाला
- **ततः** वह, सवितुर = सूर्य की भांति उज्जवल
- **वरेण्यं:** सबसे उत्तम
- **भर्गो:** कर्मों का उद्धार करने वाला
- **देवस्य:** प्रभु
- **धीमहि:** आत्म चिंतन के योग्य (ध्यान)
- **धियो:** बुद्धि, यो = जो, नः = हमारी,
- **प्रचोदयात्:** हमें शक्ति दें (प्रार्थना)

कब करें गायत्री मंत्र का जाप

- यूं तो इस बेहद सरल मंत्र को कभी भी पढ़ा जा सकता है लेकिन शास्त्रों के अनुसार इसका दिन में तीन बार जप करना चाहिए।
- प्रातःकाल सूर्योदय से पहले और सूर्योदय के पश्चात तक।
- फिर दोबारा दोपहर को।
- फिर शाम को सूर्यास्त के कुछ देर पहले जप शुरू करना चाहिए।
- गायत्री मंत्र के फायदे

लिकेश ऐड़े बने ग्राम पंचायत कलपाथरी के सरपंच

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए 1 जुलाई को मतदान हुए । सुबह 7 बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई। ग्राम पंचायत कलपाथरी सरपंच पद के लिए 3 उम्मीदवार क्रमशः लिकेश ऐड़े, हेमचंद धनोले और आशिष एड़े चुनाव मैदान में थे। मतों की गिनती रात तक हुई। प्रत्याशी लिकेश खुमेन्द ऐड़े को जनता ने आशीर्वाद देकर गांव का नया सरपंच चुना। बताया गया कि आपने 390 वोटो से विजय प्राप्त किए हैं। लिकेश ऐड़े इतिहास से मास्टर की डिग्री व आईटीआई की डिग्री लेकर पूर्व में अनेक पदों पर रहकर सामाजिक कार्य करते रहे हैं और अनेक लोगों की आवाज बन चुके हैं। इस जीत पर नवनिर्वाचित सरपंच लिकेश ने ग्राम के मंदिर में पूजा अर्चना कर गाजे बाजे एवं सार्थको के साथ विजय यात्रा निकाली और ग्राम के प्रमुख मंदिरों में पूजा अर्चना करते हुए बड़े बुजुर्गो का आशीर्वाद लिया। आपने बताया कि मतगणना में प्रतिद्वंद्वी हेमचंद धनोले ने कुल 285 मत तथा आशिष एड़े ने 265 मत एवं सर्वाधिक मत 675 लिकेश ऐड़े ने प्राप्त कर अपने प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी हेमचंद धनोले से 390 मत अधिक प्राप्त किए। हमारा उद्देश्य गांव में समरसता स्थापित करना तथा गांव का सर्वांगीण विकास करना है।

पंचायत चुनाव ड्यूटी तीसरे चरण का मतदान दिनांक 8 जुलाई 2022 को

राकेश परिहार, पुष्पांजली टुडे

पिछोर, पिछोर थाना द्वारा तीसरे चरण मतदान के लिए पुलिसकर्मी मुस्तैदी के साथ अपनी-अपनी ड्यूटी कर रहे हैं और चुनाव बाधित ना हो इसलिए रात दिन अपनी ड्यूटी पर खड़ी नजर आ रहे हैं यह ड्यूटी तीसरे चरण मतदान के लिए पुलिस बल द्वारा तैयारियां हो चुकी हैं जिसमें एसआई शैलेंद्र सिंह चौहान एवं समस्त स्टाफ सहित तीसरे चरण मतदान के लिए मुस्तैदी के अपनी ड्यूटी कर रहे हैं पंचायत चुनाव ड्यूटी तीसरे चरण का मतदान दिनांक 8 जुलाई 2022 को होना है जिसमें तीसरे चरण मतदान के लिए शांति बनाए हुए लोगों को समझाइश दी जा रही है की अपना मत अवश्य करें साथी नियम अनुसार मतदान करें कोई भी मतदान केंद्र पर गुंडागर्दी दहशत बाजी ना हो और अपने मतपत्र का उपयोग करें।

गांव की बेटी से बहु बनी कमला को ग्रामीणों ने बनाया सरपंच

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलीं टुडे

बालाघाट। किस्मतवालों को ही मिलती है पनाह सभी के दिल में, यूं हर शख्स को सरपंच का ताज नहीं मिलताज्द्वितीय चरण में शामिल त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 1 जुलाई मतगणना के बाद संपन्न हुएं। जीत हार की स्थिति भी सामने आ गई है। अधिकारिक रूप से पंच, सरपंच, जनपद सदस्य पद की मतगणना का सारणीकरण तथा निर्वाचन परिणाम की घोषणा 14 जुलाई को सुबह की जाएगी। मतगणना के बाद सामने आए परिणाम से एक बात तो सामने आ गई है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति नजरिए में बदलाव आ रहा है। जो महिलाएं अब तक घर के चूल्हे चौके तक सिमटी हुई थीं, वो अब राजनीति के क्षेत्र में भी दिलचस्पी दिखाने लगी हैं। इसमें उनके परिवार का भी सहयोग मिल रहा है। गांव के विकास की चाह लेकर चुनाव मैदान में उतरने वाली महिलाओं के हाथों मतदाताओं ने गांव के विकास की बागडोर सौंपी है।

महिलाएं घर ही नहीं गांव की सरकार भी चलाएंगी

क्षेत्र के ग्राम घोटी घुसमारा के एक सामान्य परिवार में जन्मी गांव की बेटी कमला पिता स्वर्गीय सोकराम जांभुरे के घर की बड़ी बेटी के रूप में जन्म लिया। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी लेकिन माता पिता की हिम्मत तेज थी।

अपनी बेटी को पाल पोस कर बड़ा किया और अच्छी शिक्षा दी। समय का तकाजा की बेटी के सर से पिता सोकराम का साया उठ गया और परलोक सिधार गए। जिसके बाद कमला ने स्वयं परिश्रम कर अपने परिवार की बागडोर संभाली, साथ ही अपनी पढ़ाई भी जारी रखीं। और फिलहाल कमला शासकीय महाविद्यालय लांजी से एम ए फायनल की छात्रा है। कमला की शादी अप्रैल 2022 में गांव के ही व्यवहार कुशल एवं शिक्षित युवक संजय घोरमारे के साथ हुई। कहते हैं कि तेरे नाम की मेहँदी जो हाथों पर रचाई है, इसलिए किस्मत की लकीरें भी आज इठलाई है। और गांव की बेटी से गांव की बहु बनी

कमला की किस्मत के ताला भी खुल गया। और गांव वालों ने 24 वर्षीय कमला को सरपंच चुनाव में उम्मीदवार बना दिया। कमला घोरमारे गांव की बेटी के साथ साथ एक शिक्षित महिला भी है तथा व्यवहार कुशल भी। गांव के सभी लोगों ने चुनाव में प्रचार किया। साथ में सरपंच की उम्मिदवारी में पुर्व सरपंच अनिता महेन्द्र ढोक तथा प्रियंका जितेन्द्र हनोते भी किस्मत आजमा रही थी। लेकिन गांव वालों को कुछ और ही पसंद था, और कमला संजय घोरमारे के हाथों गांव की सरकार की बागडोर विश्वास जताकर गांव के विकास के लिए सौंपी है।

गांव का? चहुंमुखी विकास हमारा ध्येय - कमला संजय घोरमारे निर्वाचित सरपंच घोटी घुसमारा

कमला संजय घोरमारे ने चर्चा में बताया कि आपका उद्देश्य गांव का सर्वांगीण विकास करना, गांव को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान करना,शिक्षा के क्षेत्र को बढ़ावा देकर ग्राम पंचायत को प्रदेश के अग्रणी सुची में विकास कार्य करके शामिल करना है। आज मुझे जिस तरह से सभी ग्रामिणों का सहयोग मिला, और जो उम्मीद मुझसे लगाई है मैं विस्वास दिलाती हूं कि सभी की उम्मीदों पर खरा उतरूंगी। यह जीत सभी की जीत है। गांव का? चहुंमुखी विकास हमारा ध्येय है। आपने पंचायत चुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वी अनिता महेन्द्र ढोक पुर्व सरपंच को 105 वोटों से पराजित कर जीत हासिल की है। जिसके बाद कमला संजय घोरमारे का ग्रामीणों ने विजय जुलूस निकाला। जित के पश्चात कमला ने सभी बड़े बुजुर्गो का पैर छूकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

अम्बाह पोरसा में निषपक्ष चुनाव कराने में कलेक्टर एसपी ने तोडा 45 साल का रिकॉर्ड...

संकट मोचन कहे जाने बाले अम्बाह एसडीएम राजीव समाधिया की रही अहम भूमिका...

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह... आज बहुत दिनो के बाद देखने को मिला है निष्पक्ष भयमुक्त निर्भीक फर्जी मतदान न होने का प्रमाण मतदान केन्द्रो पर पुलिस प्रसासन की इतनी जबदस्त फीलिन्डिग रही कि परिन्दा तक पर नही मार सकता प्रत्येक मतदान बूथो पर बाहरी फॉर्स लगाकर तीन जगह चैकिन्ग

पॉइन्टो पर पर्ची आधार कार्ड दिखाकर ही असल मतदान हुआ गुण्डे मवाली बद शक्त कलेक्टर एसपी ने चुनाव के दौरान वह भूमिका अदा की कि वोटर भी मतदान करके दिल धन्यबाद कहकर सही प्रत्याशी को वोट देने का अभिमान कर रहे थे चाहे पंचायत चुनाव हो चाहे नगरी निकाय जिसमें संकट मोचन कहे जाने बाले अम्बाह एसडीएम राजीव समाधिया जी की जी तोड मेहनत का सराहनीय योगदान रहा है पंचायत चुनाव में निष्पक्ष काउन्टिग कराने मे उन्हौने पूरी ताकत लगा दी कही भी किसी की कोई बेईमानी नही होने दी जिसका सही उदाहरण बडफरा ऐसाह की काउन्टिग से लगाया जा सकता है यू तो चुनाव प्रत्येक पॉच बर्ष में होते रहैगे परन्तु मुरैना प्रसासन 2022 की टीम हमेशा याद रहैगी कलेक्टर बी. कार्तिकेयन,एसपी आसुतोष बागरी अतिरिक्त कलेक्टर नरोत्तम भार्गव व राजीव समाधिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायसिह नरबरिया इनकी पंचायत व नगरी निकाय चुनाव 2022 को निष्पक्ष ईमानदारी से कराने में जी तोड मेहनत करने की चर्चाये हमेशा होती रहैगी अम्बाह पोरसा की जनता की तरफ से एक बार दिल से सभी टीम को पुनः धन्यबाद...

जानिए श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव में निहित आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक तथ्य

श्री गुरु पूर्णिमा विशेषः आत्म-उत्थान के लिए गुरु पूर्णिमा का दिन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी अति उत्तम

गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी (संस्थापक एवं संचालक, दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान)

गुरु पूर्णिमा और सनातन धर्म

गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा क्यों कहते हैं?

शताब्दियों पूर्व, आषाढ़ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को महर्षि वेद व्यास जी का अवतरण हुआ था। वही वेद व्यास जी, जिन्होंने वैदिक ऋचाओं का संकलन कर चार वेदों के रूप में वर्गीकरण किया था। 18 पुराणों, 18 उप-पुराणों, उपनिषदों, ब्रह्मसूत्र, महाभारत आदि अतुलनीय ग्रंथों को लेखनीबद्ध करने का श्रेय भी इन्हें ही जाता है।

ऐसे महान गुरुदेव के ज्ञान-सूर्य की रश्मियों में जिन शिष्यों ने स्नान किया, वे अपने गुरुदेव का पूजन किए बिना न रह सके। इसलिए शिष्यों ने उनके अवतरण के मंगलमय एवं पुण्य दिवस को पूजन का दिन चुना। यही कारण है कि गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। तब से लेकर आज तक हर शिष्य अपने गुरुदेव का पूजन-वंदन इसी शुभ दिवस पर करता है।

गुरु पूर्णिमा और प्राचीन गुरुकुल

गुरुकुल का वर्धन और फैलाव!

प्राचीन काल में गुरु पूर्णिमा का दिन एक विशेष दिन के रूप में मनाया जाता था। इस दिन केवल उत्सव नहीं, महोत्सव होता था। गुरुकुल से सम्बन्धित दो सबसे मुख्य कार्य इसी दिन किए जाते थे। पहला- गुरु पूर्णिमा के शुभ-मुहुर्त पर ही नए छात्रों को गुरुकुल में प्रवेश मिलता था। यानी गुरु-पूर्णिमा दिवस‘स्त्रद्बद्वह्यह्यद्बशठ्ठ ष्ठड्ड4 (छात्र प्रवेश दिवस) हुआ करता था। सभी जिज्ञासु छात्र इस दिन हाथों में समिधा लेकर गुरु के समक्ष आते थे। प्रार्थना करते थे- %हे गुरुवर, हमारे भीतर ज्ञान-ज्योति प्रज्वलित करें। हम उसके लिए स्वयं को समिधा रूप में अर्पित करते हैं।% दूसरा- गुरु पूर्णिमा की मंगल बेला में ही छात्रों को स्नातक उपाधियाँ प्रदान की जाती थीं। यानी गुरु पूर्णिमा दिवस

ष्टशठ्ठ1शष्ड्डह्लद्बशठ्ठ ष्ठड्ड4 (दीक्षांत दिवस) भी होता था। जो छात्र गुरु की सभी शिक्षाओं को आत्मसात कर लेते थे और जिनकी कुशलता व क्षमता पर गुरु को संदेह नहीं रहता था; उन्हें इस दिन प्रमाण-पत्र प्राप्त होता था। वे गुरु-चरणों में बैठकर प्रण लेते थे- 'गुरुवर, आपके सान्निध्य में रहकर, आपकी कृपा से हमने जो ज्ञान अर्जित किया है, उसे लोक-हित और कल्याण के लिए लगाएँगे।' अपने गुरुदेव को यह दक्षिणा देकर छात्र विश्व-प्रांगण में यानी अपने कार्य-क्षेत्र में उतरते थे। अतः प्राचीन काल में गुरु-पूर्णिमा के दिन गुरुकुलों में गुरु का कुल (अर्थात? शिष्यगण) बढ़ता भी था और विश्व में फैलता भी था।

गुरु पूर्णिमा और वैज्ञानिकता

साधक की आत्म-उन्नति का दिन!

वैज्ञानिक भी आषाढ़ पूर्णिमा की महत्ता को अब समझ चुके हैं। 'विस्डम ऑफ ईस्ट' पुस्तक के लेखक आर्थर चार्ल्स स्टोक लिखते हैं- जैसे भारत द्वारा खोज किए गए शून्य, छंद, व्याकरण आदि की महिमा अब पूरा विश्व गाता है, उसी प्रकार भारत द्वारा उजागर की गई सद्गुरु की महिमा को भी एक दिन पूरा विश्व जानेगा। यह भी जानेगा कि अपने महान गुरु की पूजा के लिए उन्होंने आषाढ़ पूर्णिमा का दिन ही क्यों चुना? ऐसा क्या खास है इस दिन में? स्टोक ने आषाढ़ पूर्णिमा को लेकर कई अध्ययन व शोध किए। इन सब प्रयोगों के आधार पर उन्होंने कहा- 'वर्ष भर में अनेकों पूर्णिमाएँ आती हैं- शरद पूर्णिमा, कार्तिक पूर्णिमा, वैशाख पूर्णिमा... आदि। पर आषाढ़ पूर्णिमा भक्ति व ज्ञान के पथ पर चल रहे साधकों के लिए एक विशेष महत्त्व रखती है। इस दिन आकाश में अल्ट्रावॉयलेट रेडिएशन (पराबैंगनी विकिरण) फैल जाती हैं। इस कारण व्यक्ति का शरीर व मन एक विशेष स्थिति में आ जाता है। उसकी भूख, नींद व मन का बिखराव कम हो जाता है।' अतः यह स्थिति साधक के लिए बेहद लाभदायक है। वह इसका लाभ उठाकर अधिक-से-अधिक ध्यान-साधना कर सकता है। कहने का भाव कि आत्म-उत्थान व कल्याण के लिए गुरु पूर्णिमा का दिन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी अति उत्तम है। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से सभी पाठकों को श्री गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ।

महिलाओं को लेकर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे

राकेश परिहार, पुष्पांजली टुडे

पिछोर, श्रीमती रामदेवी करोटिया द्वारा लिखी गई कुछ अपनी कलम से लेख महिलाओं को लेकर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे उनका मानना था कि किसी भी

समाज का मूल्यांकन इस बात से किया जाता है उस मे महिलाओं की क्या स्थिति है दुनिया की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है इसी के लिए जब तक उनका समुचित व विकास नहीं होता कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर महिलाओं के संगठन में अत्यधिक विश्वास था उनका कहना था कि यदि महिलाएं एकजुट हो जाएं तो समाज को सुधारने में उनकी लिए क्या कुछ नहीं कर सकती लोगों से कह करते थे कि वह अपने बच्चों को शिक्षित कीजिए और महंत का क्षी बनाएं महानता केबल संघर्ष और त्याग से ही प्राप्त हो सकती है डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी ने पहली बार महिलाओं के प्रीति प्रस्तुति अवकाश की व्यवस्था की थी संविधान में सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया गया और फिर महिलाओं को बराबर का अधिकार भी दिया जावे और अपनी पैतृक संपत्ति में बराबर का हिस्सा मिलेगा इसलिए डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी महिलाओं के लिए नारी सशक्तिकरण सभी समानता का अधिकार हो सभी नारी अपने हक अधिकारों के लिए सबसे आगे आकर खड़ी हो सके इतनी सुंदर शब्दों में महिलाओं को नवाजा उन्होंने तभी हमारी नारी शक्ति आज भी आगे आने से पता नहीं क्यों इतना डरती है उन्हें भी अपने हक अधिकारों के लिए हमेशा पुरुषों से भी आगे आकर कंधे से कंधा मिलाकर अपने हक अधिकारों की लड़ाई में शामिल होना चाहिए तो जरूर ही हमारे एक अच्छे समाज का निर्माण होगा और हम जा रहे रहे हैं वहां पिछड़ा हुआ समाज ना होते हुए हम एक अच्छे समाज का निर्माण कर सकेंगे

लैंगिक असमानता आखिर कब तक

'महिलाएं भूमि अधिग्रहण कानून को समझो और अपने हक और अधिकार के लिए आगे आओ'

आज़ादी के बाद से बेटियों के अधिकारों को कानूनी रूप से मजबूत बनाने के बावजूद आज भी संयुक्त परिवार की संपत्ति में बहुत कम महिलाएं सह-मालिक होती है। चाहे कितनी भी सदियाँ क्यूँ न बीत जाए समाज की सोच महिलाओं के प्रति अनमनी ही रहेगी खासकर विधवाओं के लिए कुछ लोगों की मानसिकता में कोई बदलाव नहीं आएगा। सर से पति का साया क्या उठ जाता है ज़िंदगी दोज़ख बन जाती है। छोटी उम्र होती है तो ससुराल वालों की या मायके वालों की मोहताज होती है और एक उम्र के बाद विधवा होती है तो बेटे और बहू की।

भारत में महिलाओं के भूमि अधिकारों का अध्याय, स्वाधीनता के सात दशकों के बाद भी अब तक अपूर्ण है। क्या समाज और सरकार के समक्ष महिलाओं को यह साबित करना होगा कि वह भी %समानता% के संवैधानिक दायरों में शामिल हैं? या सार्वजनिक रूप से प्रमाणित करना होगा कि 'संपत्ति और भूमि' में कानूनन उनका भी आधा हिस्सा है? पितृसत्तात्मक व्यवस्था में यह सोच बहुत गलत है कि जमीन पुरुषों के नाम ही होनी चाहिए। अभी भी जमीन का मालिकाना हक महिलाओं के नाम नहीं के बराबर है। यही नहीं, विवाहित महिलाओं से उनके मायके वालों द्वारा निरंतर दबाव बनाया जाता है कि वे पैतृक संपत्ति पर अपना अधिकार छोड़ दें, और सच में महिलाएं अपना हिस्सा भाईयों को दान में देकर बलिदान दे देती है।

हमारे समाज में अक्सर विधवाओं को उनकी सम्पत्ति से जुड़े अधिकारों से वंचित रखा जाता है, क्योंकि न तो उनको अपने अधिकारों की जानकारी होती है, न उनके पास अपना अधिकार साबित करने के लिए किसी भी तरह का ठोस कागज़ या डॉक्यूमेंटस सबूत के तौर पर होता है। सम्पत्ति में अधिकार मिल जाने से विधवा औरतों को अपने बच्चों के पालन-पोषण और उनकी शिक्षा में आसानी हो जाती है। साथ ही उन्हें कई तरह के सरकारी लाभ भी मिलते है। इसके बारे में ज़्यादातर महिलाओं को पता भी नहीं होता।

औरतों के लिए भूमि से जुड़े अधिकारों में सबसे बढ़ी बाधा लोगों की सोच होती है। कुछ महानुभावों का कहना होता है कि विधवाओं को सम्पत्ति का अधिकार हासिल करने के लिए क़ानून का सहारा लेने की बजाय दोबारा शादी कर लेनी चाहिए। विधवाओं के ससुराल वालों को यह चिंता सताती है कि अगर कोई विधवा दोबारा शादी करेगी तो सम्पत्ति पर उसके दूसरे पति का भी अधिकार हो जाएगा। उन्हें यह भी लगता है कि सम्पत्ति में हिस्सा मिल जाने के बाद बहू घर का काम करना बंद कर देंगी या घर छोड़ कर चली जाएगी। नतीजतन ससुराल वाले इन विधवाओं को उनके माता-पिता के घर वापस भेज देते है और जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते है।

महिलाओं के भविष्य के लिए अगर पिता या पति के जीवित रहते ही औरतों का नाम सम्पत्ति के कागज़ों में जोड़ दिया जाए तो इस तरह की समस्याओं से बचा जा सकता है। कुछ वर्ग में रिवाज़ होता है कि अगर कोई औरत विधवा हो जाती है तो उसे सामाजिक नियमों के अनुसार कुछ समय तक तक घर के अंदर ही रहना पड़ता है। मृत्यु प्रमाण पत्र की ज़रूरत और उसकी जानकारी के अभाव में आगे क्या करना है की असमंजस में रहती है। अगर कहीं से जानकारी हासिल होती है तब औरतें मृत्यु प्रमाण पत्र हासिल करने के प्रयास में लग जाती है तब उन्हें नोटरी शुल्क सहित कई तरह के ख़र्च उठाने पड़ते है। इन कागज़ी कार्रवाई को पूरा होने में बहुत समय लगता है और उन औरतों को इसके लिए महीनों इंतज़ार करना पड़ता है। इन सभी मुश्किलों से बचने का कोई रास्ता नहीं है।

सरकारी कर्मचारी कई तरह के बहाने बनाते है जैसे आज हमारे पास फ़ॉर्म नहीं है, अगले सप्ताह आना या कभी कह देते हैं कि हमारे पास मुहर नहीं है बाद में आना इस वजह से पूरी प्रक्रिया लम्बी हो जाती है और औरतों को भूमि का अधिकार मिलने में देरी हो जाती है।

हर महिलाओं को अपने हक और अधिकारों के बारे में जानकारी रखनी चाहिए। पति के गुज़र जाने के बाद जो महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी नहीं होती उनकी आर्थिक स्थिति हमेशा से हाशिए पर रही है। महिला सशक्तिकरण के तमाम दावे इस सत्य की धज्जियां उड़ा देते है। बगैर आर्थिक सुदृढ़ीकरण के महिला सशक्तिकरण की हर परिभाषा और कोशिश अधूरी है। जिस तरह से बेटों का भविष्य सुरक्षित करने में माँ बाप अपना पसीना बहाते है, वैसे बेटियों के भविष्य के लिए भी प्रावधान रखें। शादी में दो चार लाख खर्च कर लिए मतलब फ़र्ज़ पूरा हो गया? नहीं दर असल पैतृक संपत्ति में बेटियों को भी बेटे के बराबर का हिस्सा मिलना चाहिए, और ससुराल वालों को भी बहू को अपने घर का सदस्य मानकर सारे अधिकार देने चाहिए। वरना महिलाएं पति की मृत्यु पश्चात न घर की रहती है न घाट की।

सीरवी समाज के धर्मगुरू दीवान साहब के बधावा में उमड़े श्रद्धालु

पुष्पाजंली टुडे/नारायणलाल सेंणचा ब्यूरो चीफ

बेंगलूर –राजाजी नगर स्थित गेहलोत भवन के परिसर में गुरूवार को धर्मगुरू दीवान माधवसिंह को तिलक लगाकर गाजा बाजे से बधावा किया गया ।इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने धर्मगुरू दीवान साहब के बधावा में समाज बन्धुओ ने पलक पावडे बिछा दिये। समाज बंधुओ ने धर्मगुरू दीवान साहब को साफा व पुष्हार पहनाकर श्रीफल देकर भव्य स्वागत किया गया । समाज बन्धुओं ने आईमाता के जयकारे लगाए ।महिलाएं एवं बालिकाएं कलश धारण कर मंगल गान गाकर दीवान साहब का भव्य बधावा किया ।इस कार्यक्रम में हरिराम गेहलोत, बलेपेट वडेर अध्यक्ष सोभाराम चोयल, सचिव नारायणलाल लचेटा, एस.एस.आर.लेआट वडेर अध्यक्ष फाउलाल परिहारिया, कर्नाटका महासभा अध्यक्ष विरमराम सोंलकी,महालक्ष्मी लेआउट वडेर के सचिव प्रताप राम गहेलोत, उपाध्यक्ष जगदीश राठौड़, हतिबेले वडेर अध्यक्ष मूलाराम काग, कालुराम आगलेचा, आनेकल वडेर सदस्य चिमनाराम चोयल, घासी समाज के अध्यक्ष गणपत लाल राठौड़, पुनाराम भायल ,प्रकाश गेहलोत, हेमाराम लचेटा ,नारायणलाल पवार, नारायणलाल आगलेचा , पोकरराम राठौड़ ,नेकाराम गेहलोत , गुणेराम गेहलोत सहित बलेपेट वडेर के समस्त गणमान्य सदस्य उपस्थित थे

भाजपा नेताओं ने राज्य निर्वाचन आयुक्त से मिलकर की अनियमितताओं की शिकायत

भोपाल। मध्य प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण में मतदान को लेकर अव्यवस्थाओं और अनियमितताओं को लेकर भाजपा ने शिकायत की। भाजपा नेता आज भोपाल में राज्य निर्वाचन आयोग के दफ्तर में राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह से मिले और भाजपा ने दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ की कार्रवाई की मांग की। मध्य प्रदेश नगरीय निकाय चुनाव में कम मतदान को लेकर बीजेपी के प्रतिनिधि मंडल ने गुरुवार को राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह से मुलाकात की। साथ ही कम मतदान के कारण गिनाते हुए पत्र सौंपा। मध्य प्रदेश प्रदेश महामंत्री भाजपा भगवानदास सबनानी के साथ बीजेपी के प्रतिनिधि मंडल के हस्ताक्षर के साथ पत्र में आयुक्त को संबोधित करते हुए कहा कि सात वर्षों के बाद संपन्न नगरीय निकाय चुनाव के प्रथम चरण में बहुत अव्यवस्थायें सामने आई। प्रथम चरण निर्वाचन में मतदाताओं को राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से कोई ठोस कदम नहीं उठाने का कारण कारण गिनाया गया। जिसके कारण मतदाताओं को मतदान में ठोस कार्यक्रम नहीं चलाया गया।

सदैव ही खतरे में चौथे स्तंभ का आधार, स्थानीय पत्रकार

जमाने को खबरों में ढालने वाले दो पत्रकार आज स्वयं समाचार बन गए। इनमें से एक हैं जी न्यूज़ के बेहद चर्चित शो डीएनए को होस्ट करने वाले वरिष्ठ पत्रकार रोहित रंजन। वहीं दूसरे पत्रकार साथी का नाम है भूपेंद्र बुधौलिया, जो कि अशोकनगर जिले के जाने-माने पत्रकार हैं। रोहित रंजन इसलिए समाचार की विषय वस्तु बने, क्योंकि उन्होंने अपने कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर ऐसी टिप्पणी कर दी थी, जो राहुल गांधी और उनकी पार्टी को नागवार गुजरी। फल स्वरूप रोहित रंजन के ख़िलाफ़ पुलिस में एफ आई आर दर्ज हो गई और उन्हें घर से उठाने के लिए अलसुबह छत्तीसगढ़ की पुलिस उत्तर प्रदेश जा धमकी। गनीमत यह रही कि ऐन वक्त पर सूचना मिलते ही उत्तर प्रदेश की पुलिस सक्रिय हुई। नतीजतन उन्हें वहीं गिरफ्तार करके जमानत पर रिहा कर दिया गया। जबकि अशोकनगर जिले के भूपेंद्र बुधौलिया को सूचना मिली थी कि शाढ़ौरा क्षेत्र में चुनावों को प्रभावित करने की गरज से मतदाताओं को प्रलोभन दिए जा रहे हैं और शराब आदि नशीले पदार्थों का अवैध वितरण किया जा रहा है। वे अपने सहयोगी के साथ जैसे ही उक्त आवांछनीय हरकतों को कवरेज करने पहुंचे, वैसे ही उनके ऊपर पारंपरिक हथियारों से हमला कर दिया गया। दोनों घटनाओं में फर्क यह रहा कि जब छत्तीसगढ़ की पुलिस सादा

कपड़ों में, बेहद गोपनीय ढंग से, रोहित रंजन को उठाने उत्तर प्रदेश पहुंची, तब वहां उन्हें रोकने के लिए उत्तर प्रदेश की पुलिस आ धमकी। जिसके चलते एक कांग्रेस शासित प्रदेश की पुलिस की मंशा पर भाजपा शासित प्रदेश की पुलिस द्वारा पानी फेर दिया गया और रोहित रंजन कानूनी रूप से सुरक्षित हो गए। जबकि भूपेंद्र बुधौलिया द्वारा स्थानीय पुलिस को इत्तिला कर देने के बाद भी उन्हें समय पर जायज सुरक्षा भी नहीं मिल पाई। नतीजा यह निकला कि इस वक्त उन्हें गंभीर हालत के चलते पड़ोसी जिले गुना के शासकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पत्रकार साथियों को यह जानकर थोड़ा सदमा जरूर लगेगा कि दोनों घटनाओं में पुलिस का यह दोहरा व्यवहार इसलिए दिखा, क्योंकि उसकी नजर में एक पत्रकार ÷बड़ा÷ है और दूसरा ÷छोटा÷। बस यही वह महत्वपूर्ण भेद है, जो पत्रकारिता के आधार, स्थानीय पत्रकार को हर मामले में असुरक्षित बनाए हुए है। यह बात सही है कि एक अखबार के प्रकाशन में बहुत बड़े मानव समूह का योगदान रहता है। लेकिन यह बात भी गलत नहीं है कि विभिन्न राज्यों के मुख्यालयों पर बैठे इन वरिष्ठों के विशिष्ट कार्यालयों को तथ्यात्मक और भरोसेमंद सूचनाएं भूपेंद्र बुधौलिया जैसे विश्वसनीय संवाददाता ही उपलब्ध करा पाते हैं, जिन्हें अखबारी भाषा में स्थानीय पत्रकार कहा जाता है। यह वह पत्रकार हैं जो सदैव ही अपनी जान को जोखिम में डालकर वह जानकारियां अखबारों को भेजने में जुटे रहते हैं, जो विधायिका कार्यपालिका और यहां तक कि न्यायपालिका द्वारा अधिकांशतः आम जनता से छुपा ली जाती हैं। इससे भी ज्यादा स्थानीय पत्रकारों को अवसरवादी नेताओं, भ्रष्ट कर्मचारियों, अधिकारियों और असामाजिक तत्वों से अक्सर ही लोहा लेते रहना पड़ता है। कुल मिलाकर इन स्थानीय पत्रकारों का जीवन नुकीले और धारदार दांतो के बीच उस जीभ के सामान हो जाता है, जिसे हमेशा अपने रक्तरंजित होने का अंदेशा बना रहता है। फिर भी पत्रकारिता का यह महती वर्ग चारों ओर से असुरक्षित है। वह भी तब जबकि राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर पर संचालित ढेर सारे पत्रकार संगठन इनके हित संरक्षण और सुरक्षा का दावा करते हैं। केंद्र से लेकर विभिन्न प्रदेशों की सरकारें भी अपने आप को पत्रकार मित्र कहने का कोई भी अवसर हाथ से जाने देना नहीं चाहतीं। समय-समय पर इनके द्वारा इस आशय के दावे भी किए जाते रहते हैं। फिर भी सच्चाई यही है कि देश प्रदेश के लगभग 90त्न पत्रकार आर्थिक और सुरक्षा की दृष्टि से खतरे में ही बने हुए हैं। सरकारी आंकड़े कुछ भी कहते हों, लेकिन वास्तविकता यही है कि जो छोटे-छोटे कस्बों, गांवों, मजरों और टोलों में पत्रकारिता का कठिन धर्म निभा रहे हैं, उनमें से अधिकांशों का बीमा नहीं है। इन्हें किसी भी प्रकार का वेतन नहीं मिलता। यहां तक कि इन्हें शासन से अधिमान्यता भी प्राप्त नहीं है। जो वरिष्ठ हैं, महानगरों पर काबिज है अथवा विभिन्न राज्यों के मुख्यालयों की शोभा बढ़ा रहे हैं, उन पत्रकारों के पास ऊंची पहुंच के चलते भले ही दैहिक और आर्थिक सुरक्षा के माकूल इंतजाम हों, लेकिन चौथे स्तंभ का आधार, स्थानीय पत्रकार सदैव ही खतरे में बना हुआ है।

निगमायुक्त ने किया कोतवाल डेम का निरीक्षण

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने जल संसाधन एवं पीएचई अधिकारियों के साथ मुरैना जिले के कोतवाल डेम, कुंडलपुर डेम व अन्य डेमों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवशयक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री जल संसाधन विभाग श्री वर्मा, अधीक्षण यंत्री पीएचई श्री आरएलएस मौर्य, कार्यपालन यंत्री श्री आरके शुक्ला, कार्यपालन यंत्री श्री जागेश श्रीवास्तव, जल संसाधन विभाग के एसडीओ, ईई सहित कोतवाल डेम व चम्बल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त श्री कन्याल ने कोतवाल डेम से 60 एमएलडी पानी लिये जाने के स्थान को देखा तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही निर्देशित किया कि कोतवाल डेम से मोतीझील तक लाये जाने वाले पानी की डीपीआर शीघ्र बनाकर प्रदेश सरकार को भिजवायें। जिससे आगे की कार्यवाही शीघ्र की जा सके। साथ ही उन्होंने मुरैना जिले के कुंडलपुर डेम, गोठिया पूरा और देवरी की साइडों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुरैना जिले के अधिकारी भी शामिल थे।

पंचायत एवं नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2022

संभाग में पंचायत निर्वाचन के तीसरे चरण का मतदान 8 जुलाई को

सभी तैयारियाँ पूरी, मतदान दल रवाना

ग्वालियर। ग्वालियर व चंबल संभाग में त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन-2022 के तीसरे एवं अंतिम चरण का मतदान 8 जुलाई को सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक होगा। शांति पूर्ण मतदान के लिए सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गयी है।

तीसरे चरण में ग्वालियर संभाग के गुना जिले में विकासखण्ड आरौन, शिवपुरी जिले में पोहरी, करेरा व शिवपुरी, अशोकनगर जिले में मुंगावली व चंदेरी विकासखण्ड में मतदान होगा। इसी तरह चंबल संभाग के भिंड जिले में मेहगाँव व गोहद, श्योपुर जिले में विजयपुर और मुरैना जिले के विकासखंड सबलगढ़, कैलारस व पहाड़गढ़ में मतदान होगा।

दो आर्यिकाश्री ससंघ का जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिर से ग्वालियर के लिए विहार हुआ

आर्यिकाश्री ने सोनागिर से ग्वालियर चतुर्मास के लिए किया विहार,

आर्यिकाश्री ससंघ का ग्वालियर चतुर्मास होने पर तैयारियां शुरू हुई।

ग्वालियर- जैन सिध्दक्षेत्र सोनागिर से गणाचार्य विराग सागर महाराज की परम शिष्या श्रमणी आर्यिकाश्री विरम्या श्रीमाताजी एवं श्रमणी आर्यिकाश्री विसंयोजना श्रीमाताजी ससंघ का 2022 का भव्य चतुर्मास ग्वालियर स्थित मामा का बाजार स्थित दिगंबर जैन ऋषभ धर्मशाला में वात्सल्यमयी चतुर्मास 2022 समिति ग्वालियर, सकल दिगम्बर जैन समाज, श्री दिगंबर वरैया जैन पार्श्वनाथ पंचायती बड़ा मंदिर मामा का बाजार, एवं श्री श्रमण संस्कृति परमार्थ संस्थान ग्रेटर ग्वालियर के संयुक्त तत्वाधान में होने वाले ग्वालियर चतुर्मास के लिए जैन सिद्धक्षेत्र सोनगिर से मंगल

पद विहार प्रारंभ कर दिया है।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि श्रमणी आर्यिकाश्री विरम्या श्रीमाताजी एवं श्रमणी आर्यिकाश्री विसंयोजना श्रीमाताजी ससंघ सोनागिर से ग्वालियर चतुर्मास करने के लिए पद विहार चल रहा है। आज गुरुवार को आर्यिकाश्री ससंघ सुबह डबरा से पद विहार कर टेकनपुर प्रकाश स्कूल पहुँची। आर्यिकाश्री ससंघ आहराचार्य प्रकाश स्कूल में संपन्न कराई।आर्यिकाश्री ससंघ का सोनागिर से पद विहार राजेश जैन, देवेंद्र विपुल जैन, भरत जैन वेरग्गी, सुरेशचंद जैन, अनंत जैन, अनिल जैन, कमल जैन, राकेश जैन, नीरज जैन, दिगंबर जैन जागरण मंच आदि सोनागिर से गोराघाट, डबरा, टेकनपुर, जौरासी, सिथौली होते हुए ग्वालियर में प्रवेश होगा।

10 जुलाई को होगा प्रवेश, 14 चातुर्मास स्थापना होगी

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया की श्रमणी आर्यिकाश्री विरम्या श्रीमाताजी एवं श्रमणी आर्यिकाश्री विसंयोजना श्रीमाताजी ससंघ काचातुर्मास के लिए भव्य मंगल प्रवेश 10 जुलाई प्रातः 07 बजे से माधोगंज स्थित चितेरा ओली जैन मंदिर से गाजेबाजे के साथ शुरू होकर मुख्य मार्गो से होते हुए मामा का बाजार स्थित ऋषभ धर्मशाला पहुँचेगे। जहाँ दीप प्रज्वलित, शास्त्र भेंट, पदप्रच्छलन, एवं आर्यिकाश्री का के मंगल प्रवचन होगे। वही 14 जुलाई को ऋषभ धर्मशाला में 2022 के चातुर्मास कलश स्थापना कार्यक्रम आयोजित होगा।

मुनिश्री विनय सागर महाराज दाना ओली में विराजमान है

धन का लोभ त्यागें और धर्म की राह पर चलिए-्मुनिश्री

ग्वालियर। मनुष्य को दो चीजों से हमेशा दूर रहना चाहिए एक तो क्रोध व दूसरा अहंकार। यह दोनों चीजें मनुष्य के जीवन को नर्क बना देती हैं। जिस मनुष्य के पास धन नहीं होता उसे नींद से उठाने की जरूरत पड़ती है लेकिन जिसके पास धन होता है उसे सुलाने के लिए नींद की गोलियां देनी पड़ती है। इस लिए धन का लोभ त्यागें और धर्म की राह पर चलिए। यह विचार श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने आज गुरुवार को दाना ओली में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। मुनिश्री ने कहा कि हमें गुरु का हाथ नहीं पकड़ना चाहिए बल्कि गुरु को अपना हाथ पकड़ाना चाहिए क्योंकि मुश्किल समय में हम गुरु का हाथ छोड़ सकते हैं लेकिन गुरु हमारा हाथ कभी नहीं छोड़ेगा। उन्होंने ने कहा कि साधु और गुरू में अंतर होता है। साधु स्वयं के लिए होता है और अपना कल्याण करता है जब कि गुरु शिष्यों के लिए समर्पित होता है और अपने शिष्यों का कल्याण करता है। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि मुनिश्री विनय सागर महाराज ससंघ दाना ओली में विराजमान है। मुनिश्री का 2022 का भव्य साधनमय चातुर्मास माधोगंज ग्वालियर में होगा।

प्रत्येक राज्य के वित्त मंत्री को ज्ञापन देकर व्यापारी करेंगे इस निर्णय को वापिस लेने की माँग

ग्वालियर। देश के सभी राज्यों के वित्त मंत्री सीधे रूप से जीएसटी कॉउंसिल द्वारा गत 28-29 जून मार्का लगे हुए खाद्यान्न, बटर, दही, लस्सी आदि को 5 प्रतिशत के कर स्लैब में लाने के लिए ज़िम्मेदार हैं क्योंकि जीएसटी काउन्सिल ने यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया है जिसमें सभी राज्यों के वित्त मंत्री इसके सदस्य है कान्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्ज़ (कैट) एवं अन्य खाद्यान्न संगठनों ने कहा की यह निर्णय छोटे निर्माताओं एवं व्यापारियों के मुक़ाबले बड़े ब्रांड के व्यापार में वृद्धि करेगा और आम लोगों द्वारा उपयोग में लाने वाली वस्तुओं को महँगा करेगा ।अब तक ब्रांडेड नहीं होने पर विशेष खाद्य पदार्थों, अनाज आदि को जीएसटी से छूट दी गई थी। कॉउन्सिल के इस निर्णय से प्री-पैक, प्री-लेबल वस्तुओं को अब जीएसटी के कर दायरे में लाया गया है । इसको लेकर देश भर के विभिन्न राज्यों में अनाज, दाल एवं अन्य उत्पादों के राज्य स्तरीय संगठनों ने अपने अपने राज्यों में व्यापारियों के सम्मेलन बुलाने का क्रम शुरू कर दिया है और लामबंद हो रहे हैं ।

इस विषय पर कान्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्ज़ (कैट) के मध्यप्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन एवं संयुक्त अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से मुलाक़ात की और वस्तुस्तिथि से उन्हें अवगत कराते हुए आग्रह किया की फ़िलहाल इस निर्णय को अमल में न लाया जाए और कोई भी अधिसूचना जारी होने से पहले संबंधित व्यापारियों से चर्चा की जाए । श्री राजनाथ सिंह ने इस संबंध में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन से बातचीत करने का आश्वासन दिया । कैट का प्रतिनिधिमंडल इस मुद्दे पर शीघ्र ही केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन, वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल तथा अन्य केंद्रीय मंत्रियों से मिलेगा और उनसे इस निर्णय को स्थगित रखने का आग्रह करेगा ।

श्री जैन एवं श्री अग्रवाल ने कहा की इस मामले पर सभी राज्यों की अनाज, दाल मिल सहित अन्य व्यापारी संगठन अपने अपने राज्यों के वित्त मंत्रियों को ज्ञापन देकर इस निर्णय को वापिस लेने का आग्रह करेंगे । बेहद खेद की बात है की सभी राज्यों ने जीएसटी काउन्सिल की मीटिंग में सर्वसम्मति से इसको पारित कर दिया । ऐसा लगता है की किसी भी वित्त मंत्री ने इस बारे में विचार नहीं किया की छोटे शहरों एवं अन्य जगह के व्यापारी किस प्रकार इस निर्णय की पालना कर पाएँगे तथा इस निर्णय का वित्तीय बोझ आम लोगों पर किस प्रकार से पड़ेगा ।

भाजपा सभी वार्डों में विजय श्री वरन करेगी : विवेक शेजवलकर

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी में चुनाव प्रत्याशी नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव लड़ती है जिसके परिणाम स्वरुप हम भारी बहुमत से चुनाव जीत जीत रहे हैं यह बात आज ग्वालियर लोकसभा सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर में पड़ाव स्थित होटल प्रहलाद इन मैं भारतीय जनता पार्टी के जिला गवालियर महानगर के 66 वार्डों के प्रत्याशियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही।

इस अवसर पर मंच पर सांसद विवेक शेजवलकर, जिला अध्यक्ष कमल मखीजानी, महापौर पद की प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा, ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर, बीज निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल उपस्थित थे।

उन्होंने आगे कहा कि यह वह टीम है जिसने धरातल पर कार्य किया है सरकारी योजनाओं के हितग्राही हमारा पोटेंशियल है आगे आने वाले विधानसभा चुनाव में भी यह हमारे साथ रहे इसकी चिंता हमको करनी है मैं चुनाव में प्रत्याशी बनाई गई सभी बहनों को बधाई देता हूं एवं साथ ही यह आशा करता हूं कि आगे भी उनकी सक्रियता इसी तरह बनी रहेगी जिससे संगठन को मजबूती मिले चुनाव अपने आप में एक बड़ा अनुभव है पार्टी ने आपको चुनाव लड़ाकर आप के सम्मान को बढ़ाया है हमें विधानसभा चुनाव की तैयारी आज से ही चालू कर देना चाहिए चुनाव जीतना इसलिए जरूरी है ताकि हम राष्ट्र को उन्नति के पथ पर निरंतर गतिशील रख सके। इस अवसर पर भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए सांसद शेजवलकर ने ग्वालियर महानगर की जनता का धन्यवाद ज्ञापन किया है। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रदुमन सिंह तोमर ने संबोधित करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि हम महापौर सहित सभी सीटों पर विजय प्राप्त करेंगे इस चुनाव में कार्यकर्ताओं ने अपनी क्षमता से बढ़कर कार्य किया है मैंने भी कोशिश की कि कदम से कदम मिलाकर आपके साथ खड़ा रह सकू। हमारा उद्देश्य ग्वालियर विकास के साथ-साथ राष्ट्र उत्थान है मैं जहां भी गया मुझे सकारात्मक अनुभव हुआ आगे आने वाली 17 तारीख को हम सभी वार्डों में भगवा फहराएंगे कार्यक्रम को आगे संबोधित करते हुए सुमन शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है जिसका नेतृत्व माननीय नरेंद्र मोदी जी कर रहे हैं ऐसी पार्टी ने मुझे महापौर पद के लिए प्रत्याशी बनाया उसके लिए मैं सभी वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त करती हूं सच कहूं तो मैं उसी दिन चुनाव जीत गई थी जिस दिन मैंने फॉर्म भरा था क्योंकि जिसके साथ इतना बड़ा नेतृत्व चल रहा हो उसे कौन हरा सकता है मैं जहां-जहां गई मुझे सकारात्मक अनुभव ही मिला मुझे खुशी है कि इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के 1-1 ने कार्यकर्ता ने इतनी मेहनत से काम किया है।

संक्षिप्त समाचार

निगमायुक्त ने किया एसटीपी प्लांट पर पौधारोपण

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने (एसटीपी) सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पर पहुँच कर पौधरोपण किया। उन्होंने मोहगनी और गुग्गल के पौधे रोपे, इस दौरान उनके साथ सभी अधीनस्थ अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यपालन यंत्री श्री जागेश श्रीवास्तव, जनसम्पर्क अधिकारी श्री मधु सोलापुरकर, नोडल अधिकारी पार्क श्री मुकेश बंसल एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निगमायुक्त श्री कन्याल ने पौधारोपण के अवसर पर कहा कि हम सभी को इस बरसात में अधिक से अधिक पौधारोपण करना है। जिससे हमारा ग्वालियर को हरा भरा शहर बना रहे।

क्या है मोहगनी

इस पेड़ की लकड़ी से पानी के जहाज, नाव, फर्नीचर, सजावटी सामान आदि तथा इस पेड़ की पत्तियों से कैंसर, हाइपर टेंशन, जैसी बीमारियों के बहुत उपयोगी हैं तथा इस पेड़ से निकलने वाले तेल से मच्छर नही होते हैं। मोहगनी का पौधा 12 साल में पूरा परिपक्त हो जाता है, पंजाब में किसानों ने खेती को खत्म कर इन्ही पेडो को रोजगार का जरिया बना लिया है, नगर निगम ने 1500 पोधे मंगवाए है जिन्हें सभी जगह रोपा जाएगा।

गॉधी प्राणी उद्यान में अत्यधिक वृद्ध मादा भालू का निधन

ग्वालियर। गॉधी प्राणी उद्यान में अत्यधिक वृद्ध मादा भालू की आज गुरूवार को निधन हो गया। उक्त मादा को पृथक कॉल में रख निरंतर देख-रेख एवं उपचार किया जा रहा था। परंतु वृद्धावस्था के कारण उक्त भालू का निधन हो गया। चिड़ियाघर से क्यूरेटर श्री गौरव परिहार ने जानकारी देते हुए बताया कि गॉधी प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में वर्तमान में 04 देषी भालू संरक्षित हैं जिसमें से एक मादा भालू (डायना) जिसको नेनीताल जू से ग्वालियर लाया गया था। वर्तमान में उसकी उम्र लगभग 41 वर्ष के मध्य थी, अत्यधिक वृद्ध होने के कारण वह काफी कमजोर हो गई थी एवं पिछ्ले कुछ दिनों से आहार भी कम मात्रा में ग्रहण कर रही थी। मृत मादा भालू का शव परीक्षण पशु चिकित्सा सेवाऐं ग्वालियर के पशु चिकित्सक डॉ. उमेश दांतरे, डॉ. सुर्यप्रकाश उपाध्याय एवं डॉ. उपेन्द्र यादव के द्वारा किया गया। बाद में शव परीक्षण वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी श्री संजीव कुमार (ैण्कण्व्) एवं निगम के अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र गुर्जर के समक्ष जलाकर परिसर में उसका अंन्तिम संस्कार किया गया, चिड़ियाघर से क्यूरेटर श्री गौरव परिहार, जू कीपर श्री अशोक, सहायक जू कीपर श्री शिव कुमार पाल एवं एनीमल कीपर श्री संतोष इत्यादि उपस्थित थे।

बंदी रामवीर की मृत्यु की न्यायिक जाँच के सिलसिले में साक्ष्य माँगे

ग्वालियर। केन्द्रीय जेल ग्वालियर में निरूद्ध रहे बंदी रामवीर की मृत्यु के कारणों की न्यायिक जाँच की जा रही है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री निकिता पवार के न्यायालय द्वारा यह जाँच की जा रही है। इस संबंध में 14 जुलाई तक साक्ष्य माँगे गए हैं। केन्द्रीय जेल ग्वालियर में निरूद्ध रहे बंदी रामवीर पुत्र बिसन आयु 32 वर्ष निवासी ग्राम कोटा थाना देहात जिला शिवपुरी मध्यप्रदेश की गत 6 फरवरी 2022 को जयारोग्य चिकित्सालय ग्वालियर में मृत्यु हो गई थी। इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई अभ्यावेदन, शपथ पत्र या साक्ष्य प्रस्तुत करना हो तो वह 14 जुलाई 2022 तक प्रात- 11 बजे जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर ग्वालियर स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री निकिता पवार के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। साक्ष्य प्रस्तुत करने की अवधि बीत जाने के बाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जायेगी।

मतगणना परिसर में मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध

ग्वालियर। नगरीय निकाय आम निर्वाचन की मतगणना के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग पूर्णत- प्रतिबंधित किया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा इस तरह के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि चुनाव लड़ रहे अभ्यर्थी एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं की मतगणना स्थल पर प्रवेश के दौरान जाँच की जाए। यदि कोई अभ्यर्थी या उनका निर्वाचन अभिकर्ता व गणना अभिकर्ता मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन लेकर आए तो प्रवेश नहीं दिया जाए। इस प्रतिबंध से राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन के पर्यवेक्षण के लिये नियुक्त प्रेक्षक मुक्त रहेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं मतगणना कार्य से संबद्ध अधिकारियों द्वारा आयोग से संपर्क के लिए मतगणना स्थल के समीप ही एक कक्ष में दूरभाष स्थापित किए जाने की व्यवस्था की जा सकेगी।

वन स्टॉप सेंटर की अंतःवासिनी रीना का शुभ विवाह सम्पन्न

ग्वालियर। जेएएच परिसर में स्थित वन स्टॉप सेंटर (सखी) की अंतर्वासिनी रीना (परिवर्तित नाम) का बुधवार को हर्षोल्लास के साथ शुभ विवाह सम्पन्न हुआ। यहाँ कम्पू स्थित गायत्री मंदिर परिसर में आयोजित हुए वैवाहिक कार्यक्रम में उन्होंने भूपेन्द्र कुमार खरे निवासी प्रीतमपुरा कॉलोनी गुड़ा लश्कर के साथ दाम्पत्य जीवन में प्रवेश किया। वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक श्रीमती उर्मिला यादव ने कन्यादान किया।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती सीमा शर्मा एवं कार्यक्रम अधिकारी श्री राहुल पाठक व अन्य अधिकारी-कर्मचारी इस विवाह उत्सव में शामिल हुए और वर - वधु को उपहार एवं आशीर्वाद प्रदान किया। रीना के परिवार में कोई नहीं था, इसलिए रीना की सहमति से यह विवाह हुआ है। निराश्रित रीना अब दाम्पत्य जीवन में प्रवेश कर भरे-पूरे परिवार में पहुँच गई हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478